https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
गुरुवार, 18 सितम्बर 2025
वर्ष 18 अंक 8
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 33° से.
न्यूनतम : 26° से.
jantaunion@gmail.com

अरविंद हत्याकांडः दस नामजद, नौ गिरफ्तार...- 3 | प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर हुआ रक्तदान शिविर...- 8

सार संक्षेप

असीम मुनीर के आदेश पर आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए थे पाक अधिकारी, जैश कमांडर का चौंकाने वाला खुलासा

इस्लामाबाद (जीएनएस)। जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने एक चौंकाने वाले कबूलनामे में कहा है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह खुलासा कुछ महीने पहले वर्दीधारी पाकिस्तानी कर्मियों द्वारा एक मारे गए आतंकवादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की तस्वीरें सामने आने के बाद हुआ है। इलियास कश्मीरी ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के बहावलपुर शहर में जैश के शिविर में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आदेश सेना प्रमुख ने सीधे अपने जनरलों को दिया था।

उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की मीडिया और जनसंपर्क शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी समूह और बहावलपुर में शिविरों के बीच संबंधों को छिपाने का प्रयास किया। जैश कमांडर का यह कबूलनामा ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान बार-बार कहता रहा है कि उसकी धरती पर कोई आतंकवादी शिविर नहीं चल रहे हैं। इस्लामाबाद सरकार और सेना ने भी बहावलपुर में जैश के शिविरों की मौजूदगी से इनकार किया है

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक, गैंगस्टर छोटा राजन की ज़मानत रद्द

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में 2001 के जया शेट्टी हत्याकांड में गैंगस्टर छोटा राजन की बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा दी गई ज़मानत रद्द कर दी है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा, अगर उसे चार मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है, तो इस मामले में उसकी सज़ा निलंबित क्यों रहनी चाहिए? यह मामला 2001 में होटल व्यवसायी जया शेट्टी की हत्या से जुड़ा है। एक विशेष अदालत ने पिछले साल मई में छोटा राजन को दोषी ठहराया था और अपराध में शामिल होने के लिए उसे आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। राजन ने इस फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील की थी। 23 अक्टूबर, 2024 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने उसकी सज़ा निलंबित कर दी और उसे ज़मानत दे दी। हालाँकि, सीबीआई ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसने अब हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने डूसू परिणामों के बाद विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली (जीएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजों के बाद उम्मीदवारों और छात्र संगठनों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी के किसी भी हिस्से में विजय जुलूस निकालने पर बुधवार को रोक लगा दी। पीठ ने कहा, हम चुनाव में हस्तक्षेप नहीं कर रहे लेकिन अगर चुनाव संतोषजनक क्रम में नहीं हुए तो हम पदाधिकारियों के कामकाज पर रोक लगा सकते हैं।

जन्मदिन पर शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी ने जताया आभार, अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करने का लिया संकल्प

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मैं जन्मदिन पर देश-विदेश से मिली अनगिनत शुभकामनाओं, आशीर्वाद और स्नेह संदेशों से अभिभूत महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि आपकी असंख्य शुभकामनाएं और मुझमें व्यक्त किया गया विश्वास मुझे बहुत ताकत देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं और भी अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ काम जारी रखने का संकल्प लेता हूं, ताकि हम 'विकसित भारत' के अपने सपने को साकार कर सकें।

नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि जनशक्ति का आभार। देश भर से और विदेशों से प्राप्त अनगिनत शुभकामनाओं, आशीर्वादों और स्नेह संदेशों से मैं सचमुच अभिभूत हूँ। यह स्नेह मुझे शक्ति और प्रेरणा देता है। मैं इसके लिए जनता का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने आगे लिखा कि पूरे भारत में लोग विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य कर रहे हैं, जिनमें से कई आने वाले दिनों में भी जारी रहेंगे। हमारे लोगों में निहित यही अच्छाई हमारे समाज को जीवित रखती है और हमें आशा और सकारात्मकता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने का साहस देती है। मैं उन सभी का अभिनंदन करता हूँ जो ऐसे प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आपने जो अनगिनत शुभकामनाएँ और मुझ पर जो विश्वास जताया है, वह मेरे लिए अपार शक्ति का स्रोत है। मैं इन्हें सिर्फ़ अपने लिए ही नहीं, बल्कि एक बेहतर भारत के निर्माण के लिए हम सब मिलकर जो काम कर रहे हैं, उसके लिए भी एक आशीर्वाद मानता हूँ। मैं और भी ज़्यादा ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करते रहने का संकल्प लेता हूँ, ताकि हम एक विकसित भारत के अपने सपने को साकार कर सकें।

मैं व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाओं का उत्तर नहीं दे पाया, लेकिन मैं फिर कहूँगा - इस स्नेह ने मेरे दिल को गहराई से छू लिया है। मैं सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करता हूँ।

पाकिस्तान ने गलती से दिया पीएम मोदी को जन्मदिन का तोहफा, सब हैरान

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन पर पाकिस्तान में तहलका मचा दिया है। पाकिस्तान ने भी गलती से ही सही लेकिन पीएम मोदी को जन्मदिन का ऐसा गिफ्ट दे दिया। जिसका एहसान भारत कभी नहीं भूलेगा। लगे हाथ पीएम मोदी के जन्मदिन पर बलूचिस्तान ने ऐसा धमाका कर दिया। जिसे सुनकर पाकिस्तान के होश उड़ गए हैं। पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन पर मंच पर खड़े होकर कहा कि ये नया भारत है। ये परमाणु धमकी से नहीं डरता और हम घर में घुसकर मारते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे जवानों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया था। पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन पर पाकिस्तान को एक तरह से हैप्पी बर्थ डे बोल दिया।

कुछ इस अंदाज में मेलोनी ने दी मोदी को जन्मदिन की बधाई, लिखा सेल्फी वाला मैसेज

इटली (जीएनएस)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। एक भावुक पोस्ट में उन्होंने उनके नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और दुनिया भर के लाखों लोगों को प्रेरित करने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की। अपनी शुभकामनाओं के साथ, इतालवी प्रधानमंत्री ने भारत और इटली के बीच संबंधों को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। उनके संदेश में दोनों देशों के बीच बढ़ती गर्मजोशी पर प्रकाश डाला गया, और दोनों देशों के बीच हाल के वर्षों में सहयोग में वृद्धि देखी गई है। पिछले हफ़्ते, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की और इसके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। फ़ोन पर बातचीत में, मोदी ने मेलोनी के साथ यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के उपायों के साथ-साथ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। मोदी ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की अपनी संयुक्त प्रतिबद्धता और यूक्रेन में संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने में साझा रुचि की पुष्टि की।

ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, न्यूजीलैंड...पीएम मोदी के जन्मदिन पर नेताओं ने भेजा खास वीडियो संदेश

नई दिल्ली (जीएनएस)। ऐसा हमेशा नहीं होता कि विश्व नेता अपने समकक्षों को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएँ देने के लिए कोई खास वीडियो बनाएँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना 75वाँ जन्मदिन मना रहे हैं। निया के कई शीर्ष नेताओं के ऐसे वीडियो संदेशों की झड़ी सोशल मीडिया पर लग गई। ये संदेश भारत की वैश्विक छवि को नया आकार देने में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को दर्शाते हैं, जिसमें इज़राइल के बेंजामिन नेतन्याहू और ऑस्ट्रेलिया के एंथनी अल्बानी जैसे नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मज़बूत करने में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अच्छा मित्र बताया। उन्होंने कहा कि आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है, और हमने मिलकर भारत और इज़राइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। डीडी न्यूज' द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपसे जल्द ही मिलने की उम्मीद करता हूं, क्योंकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। जन्मदिन मुबारक हो मेरे दोस्त शायद सबसे लंबी जन्मदिन की शुभकामना न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की थी, जिनका वीडियो लगभग 40 सेकंड का था। इस साल मार्च में भारत आए लक्सन ने अपने संदेश की शुरुआत मोदी को हिंदी में बधाई देते हुए और उनके नेतृत्व की बुद्धिमत्ता की सराहना करते हुए की।

मोदी को शुभकामनाएं देते हुए आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि उनके देश को भारत के साथ इतनी मजबूत मित्रता साझा करने पर गर्व है। उन्होंने कहा, ''हम आस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के योगदान के लिए आभारी हैं।'' भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और दीर्घायु की कामना की।

भारत का बेस्ट फ्रेंड बनेगा यूरोप, ईयू ने कर दिया बड़ा ऐलान, साल के आखिर तक एफटीए की तैयारी

यूरोपीय संघ (जीएनएस)। यूरोपीय आयोग ने रक्षा, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने की योजनाएँ पेश कीं है। यूरोपीय संघ और भारत एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत के अंतिम चरण में हैं, जिसे वे इस वर्ष के अंत तक पूरा करना चाहते हैं। 2022 में फिर से शुरू होने वाली वार्ताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा चुने जाने के बाद से गति पकड़ ली है। ट्रंप के टैरिफ़ का सामना करते हुए, दोनों पक्षों ने नए गठबंधन बनाने के प्रयासों में तेज़ी ला दी है। ब्रुसेल्स के लिए, इसका मतलब मेक्सिको, दक्षिण अमेरिकी ब्लॉक मर्कोसुर, भारत और इंडोनेशिया के साथ योजनाबद्ध व्यापार समझौते हैं। भारत को यूरोपीय संघ में, साथ ही चीन और रूस में भी संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के बाद से भारत ने रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी है। पिछले महीने, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में एक शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हाथ मिलाया था, और भारत के सैनिक रूस के नेतृत्व वाले सैन्य अभ्यास में शामिल हुए थे।

50 प्रतिशत टैरिफ भूल डोनाल्ड ट्रंप ने किया पीएम मोदी को फोन, भारत-अमेरिका की दोस्ती का नया अध्याय

वाशिंगटन (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेवर बदलते हुए, रूसी तेल और यूक्रेन युद्ध में उसकी भूमिका को लेकर भारत की हफ़्तों तक की आलोचना को दरकिनार करते हुए, हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और शांति के लिए नई दिल्ली के समर्थन का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया। महीनों तक, ट्रंप रूसी तेल आयात को लेकर भारत की आलोचना करते रहे थे, नई दिल्ली को यूक्रेन युद्ध को लंबा खींचने में भागीदार बताते रहे और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगा दिया। लेकिन मंगलवार को, प्रतीकात्मकता से भरपूर एक भाव-भंगिमा में, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को फ़ोन किया, बिना किसी झिड़की के, जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और संघर्ष को समाप्त करने में भारत के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है।

वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि ट्रंप की तरह वह भी भारत-अमेरिका व्यापक एवं वैश्विक साझेदारी को ''नई ऊंचाइयों'' पर ले जाने के लिए ''पूरी तरह से'' प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को यह भी बताया कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में उनकी पहल का भारत समर्थन करता है। ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में प्रधानमंत्री के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन ऐसे दिन किया, जब भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नयी दिल्ली में वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया।

ईवीएम मतपत्र होंगे स्पष्ट और पठनीय! चुनाव आयोग का पारदर्शिता बढ़ाने वाला फैसला

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को ईवीएम मतपत्रों की डिजाइनिंग और मुद्रण से संबंधित दिशानिर्देशों को संशोधित करने की घोषणा की, ताकि उन्हें अधिक पठनीय और मतदाता-अनुकूल बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों से शुरू होकर, ईवीएम में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी। बेहतर दृश्यता के लिए, उम्मीदवार का चेहरा तस्वीर के तीन-चौथाई हिस्से पर रहेगा। चुनाव आयोग के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने ईवीएम मतपत्रों की स्पष्टता और पठनीयता बढ़ाने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत मौजूदा दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। बयान में आगे कहा गया है कि यह पहल चुनाव प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने तथा मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए पिछले 6 महीनों में ईसीआई द्वारा पहले ही की जा चुकी 28 पहलों के अनुरूप है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में भारतीय सेना का कमाल

150 फुट का मैत्रा पुल बनाकर किया सड़क संपर्क बहाल

रामबन (जीएनएस)। भारतीय सेना ने 150 फुट ऊँचे सुदृढ़ मैत्रा पुल के निर्माण के साथ रामबन में महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बहाल कर दिया है। रामबन जिले में हाल ही में हुई लगातार बारिश के कारण, करोल-मैत्रा रोड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, जो रामबन जिले को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है, बह गया। यह सड़क सरकारी प्रतिष्ठानों और गाँवों को जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है, और इसके क्षतिग्रस्त होने से दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया, स्थानीय लोग और वाहन फँस गए। ज़िला प्रशासन ने संपर्क तत्काल बहाल करने के लिए भारतीय सेना से सहायता का अनुरोध किया है, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है

बह गया स्थल चिनाब नदी से लगभग 20 मीटर ऊपर अस्थिर चट्टानों के नीचे स्थित था। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, व्हाइट नाइट इंजीनियर्स की एक टीम को तैनात किया गया और उन्होंने 150 फुट ऊँचे तिहरे पैनल वाले दो मंजिला अतिरिक्त चौड़े सुदृढ़ बेली ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा किया, जिसे भारी यातायात वहन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग रामबन और अन्य नागरिक एजेंसियों ने इस कार्य को शीघ्र पूरा करने में सहायता की। इसके अलावा, हम आपके साथ हैं परियोजना के अंतर्गत मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान किश्तवाड़, डोडा, रामबन, उधमपुर, रियासी, अखनूर, राजौरी और पुंछ जिलों में जारी रहा, जिससे मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को समय पर राहत प्रदान की गई।

नीट अभ्यर्थी की हत्या से जुड़ा मवेशी तस्कर पुलिस कार्रवाई में घायल, गिरफ्तार

गोरखपुर (जीएनएस)। गोरखपुर पुलिस ने बुधवार को बताया कि 20 वर्षीय नीट अभ्यर्थी दीपक गुप्ता की हत्या से जुड़े एक पशु तस्कर को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी है। आरोपी रहीम को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना शहर में फैली इस हत्या के एक दिन बाद हुई है। मंगलवार रात उत्तर प्रदेश पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश स्थिति का जायजा लेने गोरखपुर पहुँचे। उन्होंने जंगल धूशन चौराहा स्थित घटनास्थल का निरीक्षण किया, पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जाएगी।

गोरखपुर के एसएसपी राज करन नय्यर ने कहा कि गोरखपुर की घटना का एक आरोपी रहीम गोरखपुर की पिपराइच पुलिस और कुशीनगर के संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कुल चार आरोपी गिरफ्तार किए गए। एक अन्य आरोपी अजब हुसैन को ग्रामीणों ने पकड़कर घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया। दो अन्य आरोपी छोटू और राजू को भी गिरफ्तार कर लिया गया। घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। जांच जारी है।

सेवा ही संगठन : प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर स्वच्छता व स्वास्थ्य के संकल्प

जनता यूनियन मथुरा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह 8 बजे होली गेट मंडल के दीनदयाल पार्क से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे जिला अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। तत्पश्चात कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन भी सुना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा और समाज उत्थान को समर्पित है। उनके नेतृत्व ने भारत को नई ऊर्जा और नया आत्मविश्वास दिया है। स्वच्छता, सेवा और स्वास्थ्य केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली बनने चाहिए। सेवा पखवाड़ा हमें यह संकल्प दिलाता है कि हर कार्यकर्ता जनता के बीच सेवा भाव से कार्य कर समाज को नई दिशा देगा। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री शिवभूषण सिंह ने कहा कि आज भारत विश्व पटल पर जिस ऊँचाई पर खड़ा है, उसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और कर्मठ नेतृत्व को जाता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मूल मंत्र है। सेवा पखवाड़ा कार्यकर्ताओं के लिए अवसर है कि वे सेवा, समर्पण और संस्कारों की धारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाएँ। वहीं भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशंकर (राजू) यादव ने कहा कि सेवा ही संगठन का प्राण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि समाजसेवा का पर्याय बन चुकी है। मथुरा महानगर का हर कार्यकर्ता यह संकल्प ले कि सेवा पखवाड़ा केवल 15 दिन तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे वर्ष समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वच्छता, स्वास्थ्य और सेवा कार्य पहुँचाए। वहीं भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन दर्शन का जीवंत उदाहरण है। मोदी जी ने हमेशा राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया है और कार्यकर्ताओं को भी यही प्रेरणा दी है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सेवा का संकल्प है। स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर जैसे कार्यक्रम जनजागरण के माध्यम हैं, जिनसे कार्यकर्ता सीधे जनता से जुड़ते हैं। मथुरा महानगर संगठन का प्रयास है कि प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों को जन-जन तक पहुँचाकर ब्रजभूमि में सेवा और संस्कार की परंपरा को और मजबूत किया जाए।

15 मंजिल से गिरी नीचे महिला, पति हुआ फरार

जनता यूनियन मथुरा । वृंदावन की एक बहुमंजिला इमारत की 15वीं मंजिल से एक महिला नीचे आ गिरी। तेज आवाज सुनकर गार्ड मौके पर पहुंचा तो महिला खून से लथपथ थी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्यों का संकलन किया। घटना के बाद महिला का पति मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की गहनता से जांच पडताल कर रही है। ग्वालियर के रहने वाले शैलेंद्र यादव ने निधि उपाध्याय के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों करीब 16 महीने से वृंदावन के रुकमणि विहार स्थित कृष्ण हाइट्स की 15वीं मंजिल में दिल्ली के एक व्यक्ति के फ्लैट पर किराए पर रह रहे थे। बुधवार सुबह पांच बजे निधि उपाध्याय ने फ्लैट की 15वीं मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरते ही उनकी मौके पर मृत्यु हो गई। ग्वालियर के रहने वाले शैलेंद्र यादव ने निधि उपाध्याय के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों करीब 16 महीने से वृंदावन के रुकमणि विहार स्थित कृष्ण लाइट्स की 15वीं मंजिल में दिल्ली के एक व्यक्ति के फ्लैट पर किराए पर रह रहे थे। बुधवार सुबह पांच बजे निधि उपाध्याय ने वृंदावन के रुकमणि विहार स्थित कृष्ण हाइट्स की 15वीं मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरते ही उनकी मौके पर मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों ने परिवार वालों से झगड़कर शादी की थी। पुलिस को मौके से जो सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने आत्महत्या करने की वजह बताई है। कहा जा रहा है कि विवाहिता कई दिनों से डिप्रेशन में थी। पुलिस अभी अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पता लगा है कि रात को उसकी पति से लड़ाई हुई थी। सीओ सदर संजीव सिंह ने बताया कि युवक ने प्रेम विवाह किया था। इससे प्रतीत हो रहा है कि युवती भी ग्वालियर की रहने वाली होगी। युवती ने आत्महत्या की है या फिर मृत्यु का कुछ और कारण है। इसकी जांच की जा रही है। प्रथमदृष्टया लग रहा है कि पति पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा होगा। इसके चलते युवती ने आत्महत्या की होगी। फिर भी जानकारी जुटाकर स्वजन का पता लगाया जा रहा है। उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति द्वारा जिले अस्पताल में लगाया रक्तदान शिविर

जनता यूनियन मथुरा । श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति के तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वती ज़िला अस्पताल में जनहित में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ, समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज विधायक श्रीकांत शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवालने संयुक्त रूप से किया। शिविर में समिति पदाधिकारियों, सदस्यगणों के अलावा अनेक रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से समिति अध्यक्ष पं. शशांक पाठक, संयोजक आचार्य शिवओम गौड़ शास्त्री, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. ऋतु रंजन आदि की उपस्थिति रही।

न्यूज ब्रीफ

बदमाशों ने की महिला की गोली मारकर हत्या

जनता यूनियन मथुरा । दो महिलाओं की हत्या की घटना ने सनसनी फैला दी। बुधवार के तड़के वृंदावन में एक महिला की बहुमंजिला इमारत की 15 वीं मंजिल से गिर कर मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर ही है। दूसरी घटना मंगलवार की रात थाना बलदेव के गांव हथौड़ा में हुई। यहां बदमाशों ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला कमरे में सो रही थी। बदमाशों ने बाहर के दरवाजे पर ईंट मारी आवाज सुनकर महिला ने जैसे ही दरवाजा खोला बदमाशों ने महिला को गोली मार दी। इसके बाद बदमाश फरार हो गये। महिला का पति नौकरी करता है। महिला की हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा में उपचार के दौरान बुधवार दोपहर महिला ने दम तोड़ दिया। अभी तक महिला और उसके पति के बीच विवाद की बात सामने आई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कह रही है। यह घटना मंगलवार की रात करीब 11 बजे हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद आगे की कार्यवाही शुरू की।

राया का कटरा बाजार रेल फाटक

जनता यूनियन मथुरा । गुरुवार को राया में कटरा बाजार फाटक स्थाई तौर पर बंद हो जाएगा। कटरा बाजार राया कस्बे का सबसे प्रमुख और व्यस्त बाजार रहा है। लोग इसे पुराना राया भी कहते हैं। 18 सितंबर को रेलवे विभाग द्वारा बंद किये जा रहे फाटक को लेकर व्यापारी बाजार बंद कर धरने पर बैठ गये है और रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा समपार संख्या 343 सी 344 के अनुरूप कटरा बाजार रेलवे फाटक को बंद करने की योजना है। जिसकी सूचना जिलाधिकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा कैंट पुलिस थाना राया और रेलवे स्टेशन पर आ गए है जिसमे 18 सितंबर को फाटक बंद करने की बात कही गयी है। फाटक बंद होने से दुकानदारों के आगे रोजी रोटी की समस्या के साथ लोगो को अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जिसको लेकर चार माह पूर्व व्यापारियों ने एक दिन बाजार बंद रख राया संघर्ष समिति का गठन कर सांसद विधायक कैबिनेट मंत्री रेलमंत्री से मुलाकात कर आने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया। रेलवे के उच्च अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को आश्वासन दिया गया था। फाटक बंद करने से पूर्व कटरा बाजार फाटक से लेकर मांट फाटक तक रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए सड़क निर्माण कार्य कराया जायेगा उसके बाद फाटक बंद होने की कार्यवाही की जायेगी हालांकि विभाग द्वारा एक सप्ताह पूर्व सड़क निर्माण कार्य भी प्रारंभ करा दिया गया था। समाचार लिखे जाने तक व्यापारी कटरा बाजार फाटक पर अनशन पर बैठे हुए थे।

लाभार्थियों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ा गया

जनता यूनियन मथुरा । डिप्टी कलेक्टर परियोजना अधिकारी जिला नगरीय विकास अभिकरण संजय सिंह ने अवगत कराया है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) मथुरा द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 योजनान्तर्गत जन जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का चयन करने तथा भारत सरकार की अन्य योजनाओं जैसे पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा योजना से भी लाभान्वित कराने के उद्देश्य से अंगीकार 2025 अभियान शुरू किया गया है। इसका प्रथम चरण दिनांक 17 सितंबर से दिनांक 27 सितम्बर तक तथा द्वितीय चरण 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक होगा। अंगीकार 2025 के अन्तर्गत दिनांक 17 सितंबर को जनपद मथुरा में पीएमएवाई यू आवास दिवस मनाया गया है। कैम्प का आयोजन नगर निगम मथुरा वृन्दावन के कार्यालय परिसर, जनरल गंज, मथुरा में किया गया। कैम्प में उपस्थिति पीएमएवाई यू से लाभान्वित लाभार्थियों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से तथा पीएम स्वनिधि से लाभान्वित लाभार्थियों का पीएमएवाई यू से जोड़ा जाएगा।

किसानों को दी जाएगी फ्री सरसों बीज मिनीकिट

जनता यूनियन मथुरा । राज्य सहायतित नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत अपर कृषि निदेशक (तिलहन एवं दलहन), उत्तर प्रदेश कृषि भवन लखनऊ के द्वारा जनपद मथुरा को (250.00 कुंटल) 12500 सरसों बीज के नि:शुल्क मिनीकिट प्राप्त हुए है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि शासनादेश द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा सरसों मिनिकिट प्रदर्शनी के लिए नि:शुल्क बीज प्राप्त करने के लिये ऑनलाइन आवेदन किया जायेगा। लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने पर आवेदकों के मध्य ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थी का चयन किया जायेगा।

दीना काका के जन्मोत्सव को सज गया दीनदयाल धाम

जनता यूनियन मथुरा । एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता महामनीषी पं0 दीनदयाल उपाध्याय के 110 वें जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए दीनदयाल धाम सज धज कर तैयार हो गया है। गांववासी अपने दीना काका के जन्मोत्सव को मनाने के लिए बहुत ही उत्साहित हैं। गांव वासियों ने जहां अपने घरों में साफ- सफाई, रंगाई- पुताई कर सजावट की है। वहीं स्मारक भवन भी सज धज कर तैयार है। राधा कृष्ण मंदिर और पंडित जी की कुटिया भी सज कर तैयार है। मेला स्थल पर पहुंचने के लिए जगह-जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं। विद्युत सजावट कर दी गई है। मेला के प्रचार- प्रसार के लिए सभी रास्तों पर जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। मेला स्थल पर बच्चों और महिलाओं के मनोरंजन के लिए कई बड़े और छोटे झूले सहित अन्य मनोरंजन के साधन लग चुके हैं। गांव की बहन बेटियां अपने-अपने ससुराल से अपने काका का जन्म दिवस मनाने के लिए अपने मां-बाप के घर दीनदयाल धाम आ चुकी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई वरिष्ठ प्रचारक और दायित्ववान अधिकारी दीनदयाल धाम पहुंच चुके हैं।

मेला में लजीज व्यंजनों का आनंद के लिए कचौड़ी, जलेबी, चाट- पकौड़ी, मिठाई, पान की दुकान और फास्ट फूड की दुकानें सज गई हैं। ग्रामीण परिवेश के घरों के लिए उपयोगी लोहा का बक्सा, गेहूं की टंकी, पत्थर सिलबट्टा आदि की दुकाने भी लग गई हैं। दीनदयाल धाम बिक्री केंद्र में भी कुर्ता-पजामा, जैकेट और आयुर्वेदिक दवाइयां, गौ गव्य धूपबत्ती सहित अनेक प्रोडेक्ट बिक्री के लिए तैयार हैं। कृषि प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों की स्टॉल लगकर तैयार हैं।

निदेशक सोनपाल ने बताया है कि चार दिवसीय जन्मोत्सव मेला का शुभारम्भ गुरुवार को प्रातः 8:30 बजे से राधा कृष्ण मंदिर परिसर में हवन के साथ होगा। इससे पूर्व कलश यात्रा विद्यालय घोष के साथ निकाली जायेगी। रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन प्रदर्शनी स्थल पर प्रातः 9:30 बजे से होगा।

मेला का शुभारंभ सायं 3 बजे से होगा। जिसमें मुख्य अतिथि श्री बजरंग लाल बांगड़ा महामंत्री विश्व हिंदू परिषद और विशिष्ट अतिथि उमा शक्ति पीठ वृंदावन के प्रसिद्ध संत स्वामी श्री रामदेवानंद सरस्वती जी महाराज होंगे। सायं 5 बजे से विद्या मंदिर के विद्यार्थियों का रंगमंचीय कार्यक्रम होगा। रात्रि 10 बजे से क्षेत्रवासियों का प्रसिद्ध रसिया दंगल होगा। मेला की पूर्व संध्या पर सुंदर कांड का पाठ और भजन गायन शुरु हो गया है।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए।

प्राची जनजाति सेवा न्यास की माधव संवाद केन्द्र पर हुई विचार संगोष्ठी

जनता यूनियन मथुरा । माधव कुंज स्थित विद्या भारती ब्रज प्रदेश के माधव संवाद केन्द्र पर विचार संगोष्ठी का आयोजन महेश चंद्र अग्रवाल (प्रेस वालों) की अध्यक्षता में हुआ। प्रस्ताविकी उद्बोधन में प्रांत शिक्षण प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, वनवासी कल्याण आश्रम और विद्या भारती जैसे संगठनों के त्याग, बलिदान और परिश्रम से आज पूर्वोत्तर के लोग अपने को गर्व से भारतीय मानने लगे हैं जबकि पहले ऐसा नहीं था। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के पोषण की जिम्मेदारी हमारी है। इसे पूरा करना हमारा कर्तव्य है। मुख्य अतिथि श्री ब्रह्माजी राव अखिल भारतीय मंत्री विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान एवं अ. भा. प्रभारी जनजातीय क्षेत्र की शिक्षा ने इस अवसर पर कहा कि पूर्वोत्तर के समाज को मानसिक रूप से कमजोर करके उनमें अलगाव की भावना पैदा की गई। विद्या भारती ने उन्हें राष्ट्रीय धारा से जोड़ने का कठिन कार्य किया। श्री ब्रह्माजी राव ने कहा कि हमें अपने कार्य विस्तार के साथ -साथ सर्व व्यापी और सर्व स्पर्शी कार्य करना है। उन्होंने ईसाई और साम्यवादी षड्यंत्रों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पंच परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए न्यास को मजबूत करने पर बल दिया। संगोष्ठी का श्री गणेश श्री हरी शंकर प्रांत संगठन मंत्री, श्री ब्रह्माजी राव, श्री सुहास देशपांडे अखिल भारतीय संयोजक जनजातीय क्षेत्र की शिक्षा, श्री महेश जी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन करके किया। संगोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। श्री हरवीर सिंह सह प्रदेश निरीक्षक व हरि प्रकाश वर्मा ने सभी का अभिनंदन किया। श्री नेत्रपाल सिंह यादव ने संगोष्ठी का संचालन किया। न्यास के अध्यक्ष श्री पदमनाभ गोस्वामी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नारद मोह व रावण जन्म की लीला का हुआ भावुक मंचन

जनता यूनियन मथुरा । विचरण करते हुए देवर्षि नारद हिमालय कन्दराओं में भागीरथी नदी के तट पर भगवान नारायण का स्मरण करते हुए समाधि में लीन हो गये। उनके समाधिस्थ होने पर देव राज इन्द्र का सिंहासन हिलने लगा। इन्द्र गुरु बृहस्पति के पास पहुंचा और कारण जानना चाहा। बृहस्पति ने योग ध्यान से देख कर बताया कि देवर्षि नारद हिमालय की कन्दराओं में कठिन तपस्या कर रहे हैं। इन्द्र को भ्रम हुआ कि कहीं नारदजी मेरा सिंहासन चाहते हैं। इन्द्र ने कामदेव को रम्भा आदि अप्सराओं सहित तप भंग करने के लिए भेजा। अप्सराओं के कला-कौशल व कन्दुक-क्रीड़ा से भी तप भंग नहीं हुआ तो कामदेव ने स्वयं कुसुम बाण का प्रयोग किया वह भी व्यर्थ चला गया। कामदेव त्राहिमाम कहते हुए शरणागत हो जाता है। नारदजी ने नेत्र खोले तो कामदेव ने किये अपराध की क्षमा मांगी। और कहा कि देवराज इंद्र तनिक भी भयभीत न हों। नारदजी को अभिमान हो गया कि उन्होंने काम को ही नहीं बल्कि क्रोध को भी जीत लिया, शिव भी क्रोध को नहीं जीत सके। इसी कारण उन्होंने कामदेव को भस्म किया। शंकर भगवान के समक्ष पहुच कर काम व क्रोध विजय की कथा सुनाई। शंकर जी ने कहा कि यह प्रसंग जो तुमने मुझे सुनाया है भगवान विष्णु को नहीं बताना। ब्रह्माजी ने भी शिव की बात का समर्थन किया।

लदे हुए माल के कैंटर में की थी लूटपाट की घटना

जनता यूनियन मथुरा । पेरीफेरल केएमपीएल पलवल से एक फ्लिपकार्ट से लदे हुए माल के कैंटर में बैठे कर ड्राइवर को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने के बाद थाना रिफाइनरी क्षेत्र में कैन्टर को लूट ले जाने के एक और आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपित के पैर में गोली लगी है। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके कब्जे से लूट के दो मोबाइल, 1020 रुपए, एक तमंचा .315 बोर, दो खोखे, दो जिंदा कारतूस, एक कारतूस नाल में फंसा हुआ, 8 नशीली गोली बरामद किये है। थाना रिफाइनरी पुलिस टीम की रात को करीब सवा ग्यारह बजे मुखबिर की सूचना पर बरेली हाईवे पर गौशाला अंडरपास पर लूट के मुकदमे में वांछित अपराधी शकील उर्फ भूरा पुत्र नवाब खान उर्फ इमामुद्दीन निवासी फतेहपुर बेरी जिला साउथ दिल्ली, मूल निवासी नगला किसी थाना घिरोर मैनपुरी से मुठभेड़ हुई। घायल अपराधी को पुलिस टीम द्वारा अस्पताल भिजवाया गया। इससे पूर्व इसके साथी अरशद पुत्र रुखसत निवासी फतेहपुर थाना जौनपुर नई दिल्ली व शुरवीर नवकुमार पुत्र घनश्याम यादव निवासी नूरानी मस्जिद चंदन होरा हरि गुर्जर का मकान फतेहपुर बेरी नई दिल्ली को थाना रिफाइनरी पुलिस द्वारा जेल भेजा जा चुका है। आरोपी शकील के विरुद्ध फिरोजाबाद में आठ आपराधिक मामले दर्ज है। थाना फतेहपुर बेरी जिला साउथ दिल्ली में दो, थाना महरौली जिला साउथ दिल्ली में एक और मथुरा के थाना रिफाइनरी में एक अभियोग पंजीकृत हुआ है।

मथुरा नराकास को हिंदी दिवस पर प्रशंसनीय श्रेणी में सम्मान

जनता यूनियन मथुरा । भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 14- 15 सितंबर 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस एवं पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान मथुरा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) को प्रशंसनीय श्रेणी में शामिल किया गया। यह उपलब्धि मथुरा नराकास द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार, कार्यान्वयन और नवाचारपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। हिंदी के प्रोत्साहन हेतु राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या ने मथुरा समिति द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए श्री मुकुल अग्रवाल, अध्यक्ष, नराकास मथुरा एवं श्रीमती रेनू पाठक, सदस्य सचिव, नराकास मथुरा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस सम्मान ने न केवल मथुरा नराकास के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाई है, बल्कि हिंदी को राजभाषा के रूप में और अधिक प्रभावी बनाने के संकल्प को भी सुदृढ़ किया है। मथुरा नराकास ने सदैव राजभाषा नीति के सफल क्रियान्वयन, हिंदी में अधिकाधिक कार्य निष्पादन तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया है। यह उपलब्धि समिति के सभी सदस्यों और सहयोगी संस्थानों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

राष्ट्रीय पोषण माह शुरू, निकाली रैली

जनता यूनियन मथुरा । आठवें राष्ट्रीय पोषण माह का उद्घाटन बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा पोषण रैली निकाल कर किया गया। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने पोषण रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशाओं ने भाग लिया। रैली के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुपोषण से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने वाले तख्तियां, चार्ट और पोस्टर लेकर चल रही थी, जिनमें साफ सफ़ाई व स्वच्छता से सम्बंधित संदेश, पौष्टिक आहार, दैनिक भोजन में तेल, नमक व चीनी का उपयोग कम करने से संबंधित जागरूकता संदेश विशेष रूप से प्रदर्शित किए गए थे। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह की पाँच मुख्य थीम है मोटापा निवारण, चीनी नमक तेल के उपयोग में कमी, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (पोषण की पढ़ाई), एक पेड़ मां के नाम, शिशु एवं छोटे बच्चों के पोषण संबंधी व्यवहार, पोषण में पुरुषों की सहभागिता हैं। पूरे माह उपरोक्त थीम से संबंधित गतिविधियां आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित की जाएंगी। साथ ही साथ सहयोगी विभागों जैसे भी शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायतीराज विभाग, जनशक्ति विभाग, नगर पंचायत विभाग इत्यादि सहयोगी विभाग भी कुपोषण से संबंधित गतिविधियां गाँव और वार्डों में आयोजित करेंगे, जिससे पूरे माह के दौरान अधिक से अधिक जनमानस को कुपोषण से प्रति जनजागरूक किया जा सके।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने बनारस में किया धमाकेदार फैशन शो

जनता यूनियन मथुरा । संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने बनारस के होटल ताज गंगे में हुए लेक्सो शो में अपने शानदार 'ब्राइडल वीयर' परिधानों की एक लंबी श्रृंखला प्रस्तुत कर फैशन शो में धूम मचा दी।

रंग बिरंगी लाइटों और मधुर संगीत के सुरों पर संस्कृति स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने नई सोच और नए कलेवर में दुल्हन के परिधान पहन कर रैंप वॉक कर रहे थे तो सारा वातावरण उनके आत्मविश्वास की झलक पाकर तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह शो थिरकन भरा था तो व्यवसायियों के लिए व्यापार की नई संभावनाएं देने वाला बना। भारतीय परंपरा और आधुनिकता के सम्मिलन का यह सुंदर प्रयोग था। दुल्हन की पोशाक के रूप में भारतीय साड़ी और लहंगा-चोली में कुशल और अनुभवी मॉडल्स की भांति संस्कृति विश्विद्यालय के छात्र और छात्राएं एक से बढ़कर एक डिजाइनिंग वाले वस्त्रों का प्रदर्शन कर रहे थे और हर प्रदर्शन पर दर्शक तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ा रहे थे।

दर्शकों की निगाह में यह फैशन शो लाजवाब था इसलिए देर तक चर्चाओं का केंद्र भी बना। संस्कृति स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग की शिक्षिका शिल्पा ने बताया कि इस फैशन शो को मूर्त रूप देने वाले हमारे सभी विद्यार्थी द्वितीय वर्ष के 25 छात्र, छात्राएं हैं शामिल थे। लगभग 21 नई डिजाइनिंग के परिधान बच्चों ने प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने इस फैशन शो को अंजाम देने के लिए कड़ी तैयारी की थी और अब जबरदस्त सफलता पर सभी बहुत खुश हैं।

फैशन शो की सफलता पर विवि के कुलाधिपति डॉ सचिन गुप्ता, सीईओ डॉ श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, कुलपति प्रोफेसर एमबी चेट्टी ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है।

अरविंद हत्याकांड: दस नामजद, नौ गिरफ्तार

- पहले पति मिथुन, फिर पत्नी रजनी यादव को भेजा जेल
- पत्नी रेखा को जेल भेजकर पति अशोक के पैर में ठोक दी गोली
- बेटा राजा यादव तो गया जेल, मास्टर माइंड रिंकू यादव अभी भी पुलिस गिरफ्त से दूर
- भोजला में यादव परिवार में रंजिश का मामला, मुख्य घटना को रिंकू यादव ने बाइक पर सवार तीन साथियों के साथ दिया था अंजाम

झांसी जयूसं। पुरानी रंजिश के चलते कई परिवार बेघर होते जा रहे हैं। चाहे ग्राम प्रधान हो या वार्ड मेम्बर। प्रधानी व मेंबरी चुनाव ही अब परिवार को बर्बादी की ओर ला रहा है। लंबे-लंबे वादे निभाने वाले नेता अपने घर पर ऐश कर रहे हैं मगर किसी ने अभी तक यह नहीं सोचा होगा कि इन परिवारो को कैसे समझाया जा सके, क्योंकि जैसे मैरी, लकारा, वैसे ही भोजला। इस गांव में रहने वाले लोग भी पलायन करने पर मजबूर है। पिछले दिनों हुई अरविंद यादव की हत्या के मामले में दस नामजद किए गए थे। इनमें अब तक दो महिला समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें वह लोग भी शामिल है जिनकी पति पहले जेल जा चुके हैं। बाद में पत्नियों को जेल भेजा गया। बुधवार की तड़के दो आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि अभी तक इस हत्याकांड का मास्टर माइंड का पता नहीं चला है। जबकि मास्टर माइंड के बेटा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उधर, पुलिस द्वारा की जा रही इस कार्रवाई को लेकर यादव व अन्य समाज के लोगों में आक्रोश भड़क रहा है। लोगों का कहना है कि जिन लोगों ने घटना को अंजाम दिया है, उनको गिरफ्तार कर जेल भेजो, लेकिन पत्नी व बेटों को क्यों भेजा रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर होने जा रही है। मालूम हो कि सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम अरविंद यादव पिछले दिनों अपनी पत्नी संगीता के साथ मोटर साइकिल पर सवार होकर सामान खरीदकर गांव वापस लौट रहा था। गांव के पास ही रिंकू यादव ने पत्नी संगीता यादव के सामने पति अरविंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतक के परिजनों ने घटना का मास्टर माइंड रिंकू यादव, अनिल कुमार, मिथुन यादव, अजीत, कुल्लू, राहुल, कैलाश, अमित, संजय व सुरेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। घटना के बाद पुलिस ने नामजद आरोपी मिथुन यादव, अजीत कुमार, सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में राममिलन के पुत्र इंद्रजीत यादव (19), मास्टर माइंड रिंकू यादव के पुत्र राजा (18), जेल भेजे गए मिथुन यादव की पत्नी रजनी और रेखा यादव को जेल भेजा गया था। उधर, बुधवार की तड़के सीपरी बाजार पुलिस और स्वॉट टीम के दो आरोपियों के साथ मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पैर में गोली ठोक दी जिससे वह घायल हो गए। हालांकि इन दोनों आरोपियों में पुलिस दल पर भी फायरिंग की थी। इनमें भोजला निवासी अशोक कुमार उर्फ कुल्लू व शिवपुरी के थाना पिछोर के ग्राम मनका निवासी भमर सिंह यादव शामिल है। हालांकि अशोक की पत्नी रेखा भी पहले जेल भेजी जा चुकी है। बताते हैं कि इस कांड में नामजद अभियुक्त रिंकू यादव, अनिल कुमार, राहुल, कैलाश, अमित कुमार, संजय व सुरेश शेष रह गए हैं।

रिंकू यादव का परिवार पर है आपराधिक मुकदमा

पुलिस रिकॉर्ड बताते हैं कि वर्ष 2000 में भरारी स्थित कृषि केंद्र में मवेशियों को चराने के लिए रिंकू के परिवार के धनीरामम यादव, पप्पू उर्फ कैलाश यादव, कल्लू उर्फ अशोक घुस आए थे। शिकायत पर सीपरी बाजार थाने के ग्वालियर रोड पुलिस चौकी से सिपाही अवधेश दुबे एवं जयकरन घरपकड़ के लिए मौके पर गए थे। उनको देखते ही आरोपियों ने फरसे से हमला कर दिया था। इसमें आरक्षी अवधेश दुबे की अंगुलियां काट डाली जबकि जयकरन को घसीटकर पीटा गया था। वर्दी फाड़ दी थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसके बाद आरोपी फरार रहे थे। कुछ माह बाद इन लोगों ने सहकारी समिति के निदेशक कोमल यादव व उसकी बहन से विवाद होने तमंचे से फायर करके दोनों की ही आंख फोड दी थी। इस परिवार के आठ सदस्यों के खिलाफ 23 से अधिक मुकदमा पंजीकृत है। बताते हैं कि अशोक पर छह, अजीत पर पांच, कैलाश पर पांच,, धनीराम पर दो, मिथुन पर दो,, अनिल पर तीन, मास्टर माइंड रिंकू पर तीन, राहुलल पर तीन से अधिक मुकदमा दर्ज है।

धूमधाम से मनाई विश्वकर्मा जयन्ती

झांसी जयूसं । विश्वकर्मा सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वाधान में विश्वकर्मा धाम मंदिर भगवन्तपुरा में विश्वकर्मा जयंती मनाई सुवह भगवानधाम मंदिर मे विश्वकर्मा भगवान का सुंदरकांड,सुनील शर्मा द्वारा विश्वकर्मा भगवान जी आरती की गई। इस मौके पर विशिष्ट अथिति अरविंद शर्मा-गाजियावाद,अनिल पाचाल, धर्मेंद्र शर्मा, पप्पू शर्मा, वीरेंद्र पंचाल, जानकी प्रसाद विश्वकर्मा, दुर्गा प्रसाद पाचाल,आकाश विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, हरीश शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई

झांसी जयूसं। एस. आर. ग्रुप इंस्टीट्शंस, अम्बावाय झांसी में भगवान विश्वकर्मा की जयंती विधि-विधान के साथ मनाई गई। इस मौके पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर अभिनव राय ने भगवान विश्वकर्मा का पूजन कर कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का पहला अभियंता माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने कई पौराणिक नगरों, महलों और अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। उनके बनाए हुए प्रसिद्ध निर्माणों में द्वारका, इंद्रपुरी, पुष्पक विमान और शिवजी का त्रिशूल शामिल है। उन्हें कला, शिल्प, यंत्र और विज्ञान का स्वामी भी कहा जाता है। संस्थान की ग्रुप डायरेक्टर प्रो. डॉ. अर्चना लाला ने कहा कि मशीनों और यंत्रों की पूजा करने से व्यापार में उन्नति होती है। इस मौके पर डायरेक्टर फार्मेसी डॉ. विवेक तोमर, डीन अकेडिमक डॉ. जीतेन्द्र मोहन खरे, डीन रिसर्च प्रो. वी. के. सिंह, पालीटेक्निक प्राचार्य डा. जीतेन्द्र राय, चीफ प्रोक्टर इं. सी. पी. सिंह, विभागाध्यक्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग डा. शोभित शर्मा, विभागाध्यक्ष ई.ई. डा. दिव्या राय, विभागाध्यक्ष इं. पुष्पेन्द्र वर्मा, इं. अमित पारया, डा. अनुराग सक्सेना, इं. अमन सलूजा आदि मौजूद रहे। वहीं, श्री स्वामी प्रसाद प्राईवेट आई.टी.आई. बाहर लक्ष्मी गेट, झाँसी मेंनिर्माण और सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा जयन्ती अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम संस्थान के संस्थापक एन आर सिंह के मुख्य आतिथ्य, प्रबन्धक विमल सिंह की अध्यक्षता एवं डायरेक्टर कुलदीप सिंह जी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में अमृता गावड़े, प्रशान्त दुबे, अशोक कुमार सिंह चौहान, ट्रेनर अंकुश दांगी, मुस्कान साहू, सुनील रायकवार एवं संस्थान के ट्रेनीज उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जयंती पर सम्मानित किये गए कर्मचारी

झाँसी जयूसं। आज बुंदेलखंड सेवा मंडल द्वारा संचालित महारानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज में देश के प्रख्यात ज्योतिषाचार्यपी. एन. शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में एवं विद्यालय के अध्यक्ष नाथूलाल मट्ठा की अध्यक्षता में विद्यालय में कार्य करने वाले समस्त तृतीय श्रेणी लिपिकीय संवर्ग तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।

जसमे लिपिक संवर्ग में दीपेंद्र सिंह, मनीष बोरवनकर ,साकेत सक्सेना, शुभम दुबे, चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में राजकुमार सेन, शीला रायकवार, क्रांति प्रजापति ,प्रीति झा, इंदिरा, सोनम ,संजय झा, लाल सिंह विद्यालय के प्रबंध तंत्र द्वारा कार्यावलोकन एवं प्रधानाचार्य द्वारा उनकी उपलब्धियां को बताकर उनका सम्मान शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिह्न देकर किया गया । कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथि आगमन विद्यालय के घोष दल एवं एनसीसी दल द्वारा मार्च पास्ट के साथ हुआ । विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

न्यूज ब्रीफ

धोधाखड़ी से हड़पी गाड़ियां पुलिस ने की बरामद

झांसी जयूसं। मध्यप्रदेश के जिला इंदौर निवासी विपिन सिंह ने डीआईजी को दिए शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह ह्लह्यद्ब कार रेंटल सर्विस प्राइवेट कंपनी का प्रबंधक है। उसने बताया कि उसकी दो चार पहिया गाड़ियों होंडा सिटी ओर टोयोटा गाड़िया मध्यप्रदेश जिला ग्वालियर के संकेत कौरव ने किराए पर ली थी। जिसे उसने हड़प ली थी। विपिन ने बताया कि उसने गाड़ियों में लगे जीपीएस के माध्यम से गाड़ी सीपरी बाजार मसीहा गंज से थाना सीपरी बाजार पुलिस को बरामद करा दी थी। इसके बाद जब वह अपनी गाड़िया लेने थाने पहुंचा तो पुलिस ने उसे गाड़ी देने से मना करते हुए कहा कि न्यायालय में आवेदन दो वही से रिलीज होगी। जब उसने न्यायालय में आवेदन दिया तो सीपरी पुलिस ने न्यायालय में रिपोर्ट भेज दी कि यह गाड़िया मुकदमे में वांछित नहीं है, यह गाड़िया उनके पास थाना हजा में रखी है। न्यायालय ने यह कहते हुए गाड़ी रिलीज करने से इनकार कर दिया जब कोई गाड़ी मुकदमे में वांछित नहीं तो वह थाने जाकर स्वयं ले सकते है। विपिन ने बताया कि जब वह थाने गाड़ी लेने पहुंचा तो वहां से गाड़ी गायब थी। जब उसने जीपीएस ट्रैक करने का प्रयास किया तो जीपीएस भी गाड़ी से निकल चुका। पीड़ित ने आरोप लगाते हुए बताया कि गाड़ी एक दरोगा ने अपने रिश्तेदार को दे दी जबकि गाड़ी का मालिक वह खुद है। पीड़ित ने मांग करते हुए कहा कि उसकी रिपोर्ट दर्ज की जाए ओर गाड़िया बरामद कराई जाए। डीआईजी ने मामले को गंभीरता से लेकर थाना सीपरी बाजार को कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

रसायन विज्ञान विभाग के नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण विद्यार्थियों का कुलपति ने किया सम्मान

झांसी जयूसं। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय द्वारा रसायन विज्ञान विभाग के राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एवं जूनियर रिसर्च फेलोशिप परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले रू स्र् . के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में शलिनी आर्या ,बृजेन्द्र कुमार ,ध्रुव पटेल, कंचन वर्मा, मनीष कुमार, सघनदीप व्यास, फुरकान कुरैशी शामिल रहे। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों तथा रसायन विज्ञानं विभाग के सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलसचिव राजबहादुर ने विभाग के शिक्षकों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को आगे और अधिक परिश्रम करने की सलाह दी। मुख्य कुलानुशासक प्रो. आर. के. सैनी ने विद्यार्थियों के परिश्रम की सराहना की। संकायाध्यक्ष प्रो. आलोक वर्मा ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। डॉ. धीरेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को इसी तरह मेहनत करते रहना चाहिए ताकि वे विभाग का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर प्रो. डी. के. भट्ट , प्रो. सौरव श्रीवास्तव, डॉ सुनील त्रिवेदी , डॉ. ममता सिंह, डॉ काव्य दुबे , डॉ कौशल त्रिपाठी, डॉ. दीप्ति सिंह , आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रकाश चंद्र ने किया।

एनसीआरएमयू ने मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर से मिलकर कर्मचारियों की समस्याएं उठाईं

झांसी जयूसं। एनसीआरएमयू के टीआरएस/डीजल शाखा द्वारा मंडल उपाध्यक्ष निर्मल सिंह संधू, शाखा अध्यक्ष जे बी खरे के नेतृत्व में विद्युत लोको शेड झांसी के कर्मचारियों के समस्याओं को लेकर मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर को ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि कर्मचारियों को वर्दी भत्ता न मिलना, विद्युत लोको शेड झांसी में लोको होल्डिंग के अनुसार कर्मचारियों के पदों को भरना, विद्युत लोको शेड झांसी में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती बंद कर उनके स्थान पर रेल कर्मचारियों की भर्ती करने आदि मांग रही है। ज्ञापन देने वालों में शाखा के संयुक्त शाखा सचिव के के मिश्रा, राहुल दुबे ,रवि प्रकाश, मानसिंह मीना, कमलेश शर्मा , छोटे राजा , सत्येंद्र सिंह, नितिन गुप्ता, विकाश दुबे, हाफिज खान,आदि शाखा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बी आई ई टी के इनोवेशन और इंक्यूबेशन सेंटर ने कंपनी एक्ट 2013 के तहत कंपनी फॉर्मेशन विषय पर किया ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

झाँसी जयूसं। बी आई ई टी के इनोवेशन और इंक्यूबेशन सेंटर के सेक्शन 8 कंपनी बने हुए तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कंपनी एक्ट 2013 के तहत कंपनी फॉर्मेशन विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेंटर कि निदेशक प्रो. शहनाज़ अयूब ने बताया कि छात्र छात्राएं नवाचार से विभिन्न स्टार्ट अप्स आइडिया लेकर आते है परंतु उन्हें व्यावसायिक पद्धति से विकसित करने में समस्या आती है। ऐसे मे उन्हें स्टार्ट अप्स को किस कंपनी में पंजीकृत कराना चाहिए इसका मार्गदर्शन अत्यंत ही महत्पूर्ण होगया हैं । इसी दिशा मे इस विषय पर विस्तृत जानकारी के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कानपुर से भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान के साथी सदस्य तथा विधि विशेषज्ञ मनीष कुमार शुक्ला ने कंपनी कितने प्रकार की होती है, उनके नियम, कायदे कानून, बनाने की बंद करने की

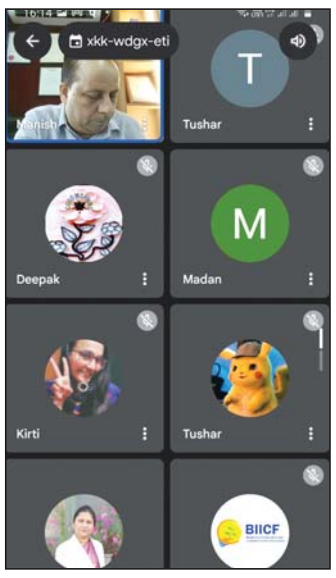

प्रक्रिया विस्तार से बतायी। कार्यशाला में छात्रों के बहोत सी समस्याओ का निवारण किया, उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने वन पर्सन कंपनी की नयी संकल्पना के बारे में भी विस्तार से बताया जो केवल छात्रों के लिए ही उपयोगी नहीं ब्लकि नौकरी पेशा लोगों के लिए जो नौकरी के साथ साथ उद्यमी बनना चाहते है, उनके लिए भी उपयोगी है, इसे विस्तार से बताया। प्रो. शहनाज़ अयूब ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में उद्यमिता को बढावा देने के लिए बी आई ई टी झाँसी में स्थापित बुन्देलखण्ड इनोवेशन और इंक्यूबेशन सेंटर सतत प्रयासरत हैं। यह कार्यशाला उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने में अत्यन्त ही महत्वपूर्ण रही। प्रो. शहनाज़ अयूब ने कहा कि हमारा लक्ष्य ना सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर कार्य के पहचान बनाना है परंतु विश्व स्तर की पहचान बनाना है, हमारे राज्य के देश के उद्यमियों को विश्व स्तर की पहचान दिलाना है । उन्होंने कहा इस तरह के कार्यशाला का आयोजन उस दिशा मे सफल कदम सिद्ध हो रहा है। अंत में उन्होंने सभीके प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में मनायी भगवान विश्वकर्मा जयंती

झाँसी जयूसं। श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के तत्वाधान में श्रीमती विद्यावती औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में भगवान विश्वकर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। कोषाध्यक्ष रवीन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने आई.टी.आई .प्राचार्य संजय प्रजापति व अन्य स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं के साथ पूर्ण विधि विधान से सभी चलित मशीनोंकी पूजा की एवं वैदिक कार्यक्रमों के साथ सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं हवन पूजन किया तथा हवन यज्ञ में पूर्ण आहुति दी गयी। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी साहब सिंह दहिया, एजूकेशन प्राचार्या डॉ.सुधा रिछारिया, नर्सिंग प्राचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह चौधरी,डॉ.कुलदीप कुमार, विज्ञान सिंह, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ.पूनम सिंह, एच.आर.सोनी यादव, बृजेश कंसौरिया, मोनिका कश्यप, सौरभ सेन, वीरेन्द्र सरसैया, मनोज यादव, डॉ.अंजना पाल, ललित नारायण, मनोज कुशवाहा, राकेश बाबू, वैशाली पाण्डेय व समस्त स्टाफ एवंछात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

झांसी जयूसं। स्वच्छता पखवाड़ा 2025 स्वच्छोत्सव का शुभारंभ झांसी रेल मंडल में किया गया। यह पखवाड़ा 17 सितम्बर से 02अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। पखवाड़ा का शुभारंभ स्वच्छता शपथ के साथ की गई। मंडल रेल प्रबंधकअनिरुद्ध कुमार द्वारा विभागीय अधिकारियों और

स्वच्छता को काम नहीं, आदत बनाएं: डीआरएम

स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का हुआ शुभारंभ

कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कर्मचारियों से अपील किया कि स्वच्छता ही सेवा थीम पर आयोजित 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। स्वच्छता को सभी कर्मचारियों को आत्मसात करना चाहिए। कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि वह अपने कार्यक्षेत्र, घर और आसपास को स्वच्छ रखेंगे। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि देश सही मायने में तब आजाद होगा जब देश स्वच्छ होगा। उन्होंने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वह 100 घंटे का श्रमदान स्वच्छता के लिए करें। इसके साथ ही 100 अन्य लोगों को भी यह शपथ दिलाएं। श्री कुमार ने कहा कि स्वच्छता को सिर्फ़ एक काम ना समझें, इसे एक आदत बनाएं। इसे अपने व्यक्तित्व की पहचान बनाएं। मंडल के विभिन्न स्टेशनों वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, चित्रकूट धाम कर्वी, मुरैना, छतरपुर आदि स्टेशन पर भी स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न स्टेशनों पर स्टेशन डायरेक्टर, स्टेशन मास्टर समेत सभी कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने भी स्वच्छता शपथ लिया। शपथ समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)नंदीश शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा, वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्वय आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल अभियंता सिग्नल एवं टेलीकॉम नरेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारी अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता ,गौरव, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी गिरीश कंचन, समेत बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बी.यू. के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में 'अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस' पर शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन

झाँसी जयूसं। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग मेंअंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस के अवसर पर ज्ञानवर्धक एवं रचनात्मक पोस्टर प्रदर्शनी, वाद-विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने अपने नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से सूक्ष्मजीवों की महत्ता, चुनौतियों और आधुनिक जीवन में उनके योगदान को प्रस्तुत किया । प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने बायोफ्यूल, खाद्य संरक्षण तकनीक, मानव जीवन में जीवाणुओं की भूमिका, जेनेटिकली मोडिफाइड ऑर्गेनिज़्म, बायोगैस उत्पादन, बायोफिल्म और माइक्रोबियल रेसिस्टेंस पर अत्यंत प्रभावशाली ढंग से पोस्टर प्रदर्शित किए। इन पोस्टरों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सूक्ष्मजीव केवल रोगजनक ही नहीं बल्कि जीवन, पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्य अतिथि प्रोफेसर टी. के. शर्मा, प्राचार्य बी बी सी डिग्री कॉलेज ने सूक्ष्म जीवों के उपयोगिता के बारे में अवगत कराया एवं छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम की शुभकामनाएं दीं । विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रोफ़ेसर आलोक कुमार वर्मा ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी साथ ही उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया । प्रोफेसर विनीत कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि सूक्ष्मजीव विज्ञान आज ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोल रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य व उपयोगिता के बारे में सभी को अवगत कराया एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं । डॉ. ऋषि कुमार सक्सेना, डॉ. पंकज कुमार सागर, डॉ. संजय कुमार ने इस दिवस पर सूक्ष्मजीव विज्ञान के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला । अन्य विभाग से आमंत्रित शिक्षक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. शाहीना कलीम, डॉ. स्मृति त्रिपाठी, डॉ. सरवेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. आदित्य नारायण, डॉ. सुमिरन श्रीवास्तव और डॉ. अंजली ने भी सहभागिता की । सभी अतिथियों ने छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम मेन प्रयोगशाला सहायक अतुल शर्मा भी उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की ऊर्जा और उत्साह देखते ही बन रहा था । विभाग के छात्र-छात्राओं ने कहा कि ऐसे अवसर उन्हें कक्षा से बाहर आकर अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप देने का मौका प्रदान करते हैं। कई छात्रों ने पोस्टरों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर बायोगैस संयंत्र और खाद्य सुरक्षा तकनीक को लागू करने जैसे विचार भी प्रस्तुत किए।समापन सत्र में विभागाध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और भविष्य में भी इसी प्रकार के नवाचारी आयोजनों का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थियों ने किया। अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस पर आयोजित इस प्रदर्शनी ने यह सिद्ध किया कि सूक्ष्म जीव विज्ञान न केवल विज्ञान की प्रयोगशालाओं तक सीमित है, बल्कि मानव जीवन और समाज के प्रत्येक पहलू से गहराई से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम के अंत में आभार डॉ. रंजना भाटी ने ज्ञपित किया।

रेल सुरक्षा बल, झाँसी मंडल की बड़ी उपलब्धि

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 200 बच्चों को सुरक्षित परिजनों तक पहुँचाया

झाँसी जयूसं। रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ), झाँसी मंडल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन नन्हे फरिश्तेके तहत वर्ष 2025 में अगस्त माह तक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में घर से भागे अथवा लापता हुए कुल 200 बच्चों को संरक्षित कर सुरक्षित रूप से उनके परिजनों तक पहुँचाया गया। इनमें 123 बालक और 77 बालिकाएँ शामिल हैं। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और अन्य परिसरों में भटके, खोए या घर से भागे बच्चों की पहचान कर उन्हें तत्काल सुरक्षा प्रदान करना और पुनः परिवार से मिलाना है। इस अभियान के अंतर्गत आरपीएफ कर्मियों द्वारा लगातार सतर्कता बरतते हुए बच्चों को खोजा जाता है और उन्हें प्राथमिक देखभाल उपलब्ध कराई जाती है। तत्पश्चात, संबंधित मान्यता प्राप्त बाल संरक्षण संस्थाओं के माध्यम से समुचित प्रक्रिया का पालन करते हुए बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा जाता है। रेल सुरक्षा बल, झाँसी मंडल ने न केवल बच्चों को संरक्षित किया है, बल्कि समाज में यह संदेश भी दिया है कि हर बच्चा अमूल्य है और उसकी सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों की पहचान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मी निरंतर गश्त, सीसीटीवी निगरानी और जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। इस अभियान में स्थानीय प्रशासन, चाइल्डलाइन और विभिन्न सामाजिक संगठनों का सहयोग भी प्राप्त हुआ है, जिससे कार्य और अधिक प्रभावी एवं परिणामकारी बन सका है। आरपीएफ, झाँसी मंडल ने पुनः सभी नागरिकों से अपील की है कि यदि रेलवे परिसरों में कोई बच्चा अकेला या संदिग्ध स्थिति में दिखाई दे तो तुरंत इसकी सूचना आरपीएफ या निकटतम रेलवे अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते उसे सुरक्षा प्रदान की जा सके।

कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए : काजोल

मुंबई, (एजेंसियां)। अभिनेत्री काजोल इन दिनों नए शो 'टू मच विद काजोल और ट्विंकल' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। काजोल ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह ब्लैक कलर का ड्रेस पहने हुए हैं, मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने बालों को पोनीटेल किया हुआ है। इन तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास साफ झलकता दिखा। काजोल ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा कि कभी-कभी भावनाएं उलझन भरी हो सकती हैं, लेकिन कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए। यह खूबसूरत काला ड्रेस मेरे आत्मविश्वास को किसी तारीफ से ज्यादा बढ़ाता है।

पहली तस्वीर में अभिनेत्री कैमरे को देखते हुए हल्की-सी स्माइल के साथ पोज दे रही है। वहीं, दूसरी में एक साइड देखते हुए वह स्टाइलिश अंदाज में खड़े होकर पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में काजोल कई पोज देकर फोटो खिंचवा रही हैं। काजोल और ट्विंकल जल्द ही नए शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को होस्ट करती नजर आएंगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

शो में कई बॉलीवुड हस्तियां शिरकत करेंगी, जिनमें सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, विक्की कौशल, गोविंदा, और जाह्नवी कपूर जैसे कई स्टार्स शामिल होंगे। शो का प्रीमियर 25 सितम्बर को प्राइम वीडियो पर होगा।

काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह फिर से कोर्टरूम ड्रामा 'द ट्रायल प्यार कानून धोखा' के दूसरे सीजन में नोयोनिका सेनगुप्ता के किरदार को जीवंत करती नजर आएंगी। वहीं, काजोल हाई-बजट एक्शन थ्रिलर फिल्म 'महारान्नी क्वीन ऑफ क्वीन्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, सम्युक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील जैसे सितारे हैं।

बरसात या ठंड के मौसम में लोगों को नाक बंद होने की शिकायत

नाक बंद की समस्या हो सकती है साइनसाइटिस

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। बरसात या ठंड के मौसम में अक्सर लोगों को नाक बंद होने, सिरदर्द और चेहरे पर भारीपन जैसी शिकायतें होती हैं। अधिकतर लोग इसे साधारण जुकाम या एलर्जी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह समस्या वास्तव में साइनसाइटिस भी हो सकती है। यह केवल अस्थायी परेशानी नहीं, बल्कि प्रतिरोधक क्षमता और शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ एक रोग है।

साइनस खोपड़ी में आंखों और नाक के आसपास बनी वायु से भरी गुहाएं होती हैं, जो बलगम (म्यूकस) बनाकर नाक को साफ और नम बनाए रखती हैं। जब इन गुहाओं में सूजन या संक्रमण हो जाता है तो उसे साइनसाइटिस कहा जाता है। इस रोग के लक्षण संक्रमण की जगह के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं।

जैसे मैक्सिलरी साइनस में सूजन होने पर गाल और ऊपरी दांतों में दर्द महसूस होता है। फ्रंटल साइनस में समस्या होने पर माथे में दर्द होता है। एथ्मॉइड साइनस में आंखों के बीच दर्द होता है, जबकि स्फेनॉइड साइनस सिर के पीछे और गर्दन में दर्द पैदा करता है।

इसके अलावा नाक का लगातार बंद रहना, गंध की क्षमता कम होना, सिरदर्द, आंखों के आसपास दबाव, चेहरे पर भारीपन और कभी-कभी बुखार भी इसके प्रमुख लक्षण हैं।

साइनस के पीछे कई कारण हो सकते हैं। धूल, धुआं, परागकण या परफ्यूम जैसी चीजों से एलर्जी इसका एक बड़ा कारण है। इसके अलावा नाक की हड्डी का टेढ़ा होना, वायरल, बैक्टीरियल या फंगल संक्रमण तथा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता भी इसे जन्म देती है। तनाव और असंतुलित जीवनशैली इस रोग को और अधिक बढ़ा देते हैं।

- जुकाम या एलर्जी मानकर लोग कर देते है नजरअंदाज
- मैक्सिलरी साइनस में गाल और ऊपरी दांतों में दर्द
- फ्रंटल साइनस में समस्या होने पर माथे में दर्द
- सिरदर्द, चेहरे पर भारीपन और बुखार इसके प्रमुख लक्षण

साइनसाइटिस से राहत पाने के लिए घरेलू उपाय

आयुर्वेद में साइनसाइटिस से राहत पाने के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं। नस्य उपचार में सरसों का तेल या घी की दो-दो बूंद सुबह-शाम नाक में डालने से लाभ होता है। पानी में अजवाइन या पुदीना डालकर भाप लेना, तुलसी और अदरक का काढ़ा पीना, हल्दी वाला दूध लेना और त्रिकटु चूर्ण का सेवन करना कफ व बलगम को कम करके संक्रमण को घटाता है।

तली-भुनी और भारी चीजें छोड़कर हल्का, पौष्टिक और पचने योग्य आहार लेना भी साइनस रोगियों के लिए लाभकारी माना गया है।

इस रोग से बचने के लिए कुछ सावधानियां अपनाना जरूरी है। धूल, धुएं और प्रदूषण से खुद को बचाएं। मौसम के अनुसार शरीर को ढककर रखें और ठंडी पेय पदार्थों या बासी भोजन से परहेज करें। योग और प्राणायाम नियमित करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है और प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

डिमेंशिया से बचाव में कारगर फ्लेवोनॉइड-रिच आहार

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। डिमेंशिया जैसी मस्तिष्क संबंधी गंभीर बीमारी से बचने के लिए अब दवाओं से ज्यादा आपका खाना असरदार हो सकता है। इसे लेकर कई रिसर्च हुई हैं। इनमें दावा किया गया है कि यदि आप अपने दैनिक आहार में फ्लेवोनॉइड युक्त खाद्य पदार्थों की 6 अतिरिक्त सर्विंग्स शामिल करते हैं, तो डिमेंशिया का खतरा 28 फीसदी तक कम हो सकता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक फ्लेवोनॉइड्स प्राकृतिक यौगिक होते हैं, जो फलों, सब्जियों, चाय, डार्क चॉकलेट जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। इनका संबंध बेहतर मस्तिष्क स्वास्थ्य, सूजन कम करने और शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को घटाने से जोड़ा गया है।

रिसर्च के मुताबिक, फ्लेवोनॉइड युक्त आहार से जो उच्च रक्तचाप (हाई बीपी), डिप्रेशन या जिन्हें अनुवांशिक रूप से डिमेंशिया का रिस्क है उन्हें ज्यादा फायदा होता है। द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक रिपोर्ट की मानें तो गट बैक्टीरिया और फ्लेवोनॉइड से भरपूर खाद्य सामग्री हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को दूर करने में बहुत फायदेमंद है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि जब हम इनका सेवन करते हैं तो आंत में पाया जाने वाले बैक्टीरिया इन्हें ब्रेक करने में मदद करता है।

यह अध्ययन इस ओर इशारा करता है कि सही पोषण न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकता है। ऐसे कुछ फल और फूड प्रोडक्ट्स हैं जिन्हें रोजाना आहार में शामिल करने से दिक्कतें कम हो सकती हैं। इसमें सेब, संतरा, ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां, ग्रीन या ब्लैक टी, डार्क चॉकलेट, सिट्रस फ्रूट्स और अंगूर शामिल हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लावोनॉयड्स मस्तिष्क में कॉग्नेटिव फंक्शंस को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं और उम्र के साथ आने वाले मेंटल डिक्लाइन को धीमा कर सकते हैं।

डिमेंशिया जैसे मानसिक रोग से बचाने के लिए भोजन में फ्लावोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थों की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जाती है। सिर्फ स्वाद ही नहीं, यह आपके मस्तिष्क के लिए भी एक शक्तिशाली रक्षा कवच का काम कर सकता है।

बॉक्सिंग मेरे लिए तनाव से मुक्ति का जरिया : अश्विन काकुमानु

चेन्नई, (एजेंसियां)। तमिल इंडस्ट्री के अभिनेता अश्विन काकुमानु की फिल्म 'थानल' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसे निर्देशक रवींद्र माधव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अश्विन पहली बार एक विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को क्रिटिक्स ने खूब सराहना की है। अश्विन के अभिनय की लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। इसमें उन्होंने एक बॉक्सर का रोल प्ले किया है। अश्विन काकुमानु ने फिल्म से जुड़े अनुभवों के बारे में कहा कि बॉक्सिंग एक ऐसी चीज है, जिसे देखना मुझे हमेशा से पसंद रहा है क्योंकि मैं सिल्वेस्टर स्टेलोन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। इसलिए मैं रॉकी का भी बहुत बड़ा फैन हूं। किशोरावस्था से ही यह मेरे लिए हमेशा से एक रोमांचक अनुभव रहा है। जब मैं थोड़ा उदास होता था, तब मैं इसे यूट्यूब पर देखता था।

अश्विन काकुमानु ने आगे कहा कि कोविड महामारी से पहले मुझे एक बॉक्सिंग फिल्म का प्रस्ताव मिला था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैंने सोचा, बस, अब मुझे यह भूमिका निभानी है। इसलिए मैं बॉक्सिंग में शामिल हो गया। लेकिन, फिर महामारी आ गई और बॉक्सिंग लगभग पीछे छूट गई।

अश्विन ने बताया कि कैसे फिर से वो बॉक्सिंग की दुनिया में उतरे। अभिनेता ने कहा कि बॉक्सिंग आपको मानसिक तौर पर राहत देती है। दरअसल, यह तनाव से राहत देती है। मैं अपनी पत्नी और दोस्तों के साथ इसकी ट्रेनिंग लेने जाता हूं। हम दोनों क्लास जाते हैं और मेरा दोस्त भी आता है।

सिर्फ लुक्स नहीं, स्वास्थ्य भी सुधारते हैं कटे हुए बाल व नाखून

- बाल का भार सीधा शारीरिक हलचल पर असर
- लंबे नाखून से संक्रमण व त्वचा रोगों का खतरा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार का विज्ञान नहीं है, बल्कि यह जीवनशैली को संतुलित और स्वस्थ बनाने का मार्गदर्शन भी करता है। दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतें शरीर और मन दोनों पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इन्हीं में से एक आदत है, समय-समय पर बाल और नाखून काटना।

आयुर्वेद के अनुसार, जब सिर के बाल, मूंछ या नाखून लंबे हो जाते हैं तो शरीर पर अतिरिक्त भार महसूस होता है। यह भार सीधा-सीधा मानसिक और शारीरिक हलचल पर असर डालता है। बाल और नाखून काटने से शरीर हल्का महसूस करता है, जिससे काम करने में ऊर्जा और एकाग्रता बढ़ती है। स्वच्छता को आयुर्वेद में 'आचार' का हिस्सा माना गया है। लंबे नाखून और बिना संवारे बालों में धूल, गंदगी और पसीना आसानी से जमा हो जाता है। यह वातावरण बैक्टीरिया और फंगस के विकास को बढ़ावा देता है, जिससे संक्रमण और त्वचा रोगों का खतरा बढ़ जाता है। नियमित रूप से बाल और नाखून काटने से इन जीवाणुओं का जमाव रुकता है और शरीर शुद्ध व स्वस्थ बना रहता है।

लंबे नाखूनों के किनारों में अक्सर अदृश्य सूक्ष्मजीव पनप जाते हैं। ये जीवाणु भोजन बनाते समय या चेहरे को छूते समय शरीर के भीतर प्रवेश कर सकते हैं।

आयुर्वेद में इसे रोग का प्रवेश द्वार माना गया है। नाखून छोटे और स्वच्छ रखने से संक्रमण की संभावना काफी कम हो जाती है। इसी प्रकार मूंछों की नियमित देखभाल न केवल चेहरे की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि होंठ और नाक के आसपास स्वच्छता भी बनाए रखती है। आयुर्वेद मन और शरीर के संतुलन पर जोर देता है। स्वच्छ और संतुलित रूप-रंग व्यक्ति को आत्मविश्वास देता है और सामाजिक जीवन को भी सकारात्मक बनाता है। मूंछें भारतीय संस्कृति में शौर्य और सम्मान का प्रतीक रही हैं, लेकिन इनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। बिना संवारे बाल या नाखून जहां शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं, वहीं यह सामाजिक दृष्टि से भी अस्वच्छता का संकेत माने जाते हैं।

बाल और नाखून काटना केवल सुंदर दिखने के लिए नहीं है, बल्कि यह शरीर की स्वच्छता, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन बनाए रखने का एक अनिवार्य नियम है।

प्रिया आनंद ने अभिनय व मुस्कान से जीता दर्शकों का दिल

मुंबई, (एजेंसियां)। सिल्वर स्क्रीन पर अपनी मासूम मुस्कान और सहज अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली प्रिया आनंद दक्षिण और हिंदी सिनेमा का एक जाना-पहचाना नाम हैं। भाषाओं और संस्कृतियों से गहरी जुड़ाव रखने वाली प्रिया आनंद को बचपन से ही अलग-अलग भाषाओं का शौक रहा, यही वजह है कि वह तमिल, तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी और मराठी तक अच्छे से बोल लेती हैं।

उनकी यह प्रतिभा उनके फिल्मी सफर में भी साफ झलकती है, जहां उन्होंने अलग-अलग भाषाओं और तरह-तरह के किरदारों को बखूबी निभाया है। 17 सितम्बर 1986 को चेन्नई में जन्मी और पली-बढ़ी प्रिया आनंद ने फिल्मों में आने से पहले ही मॉडलिंग और विज्ञापनों की दुनिया में अपनी पहचान बना ली थी। 2009 में तमिल फिल्म 'वामनन' से डेब्यू करने वाली प्रिया आनंद ने जल्दी ही यह साबित कर दिया कि वह सिर्फ खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि अभिनय करने में भी माहिर हैं। प्रिया आनंद ने '180', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'एथिर नीचल', 'वणक्कम चेन्नई' और 'फुकरे' जैसी फिल्मों में काम किया है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें श्रीदेवी के साथ 'इंग्लिश विंग्लिश' और 'फुकरे' के लिए याद करते हैं। आज प्रिया आनंद को इंडस्ट्री में एक ऐसी एक्ट्रेस के तौर पर देखा जाता है जो ग्लैमर और टैलेंट दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। प्रिया आनंद वेटरन एक्ट्रेस श्रीदेवी को अपना आदर्श मानती हैं। वो खुद को खुशकिस्मत समझती हैं कि वो श्रीदेवी के साथ काम कर पाईं। इस फिल्म का नाम था इंग्लिश विंग्लिश यह प्रिया आनंद की पहली हिंदी फिल्म थी।

ज्वाला गुट्टा ने ब्रेस्ट मिल्क किया दान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत की मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा अपने आक्रामक ड्रॉप शॉट्स और फोर फोरहैंड सर्विस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने एक ऐसी 'सर्विस' की जिसकी चौतरफा चर्चा है! उन्होंने करीब 30 लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान किया। उनके एक्टर-डायरेक्टर पति विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

उन्होंने यह दान 'अमृतम फाउंडेशन' के जरिए किया, जो माओं से स्तन दूध इकट्ठा करके उसे जरूरतमंद नवजातों तक पहुंचाने का काम करता है। यह दूध आगे चेन्नई के इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन को भेजा गया। भारत में पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से ब्रेस्ट मिल्क बैंक अपना काम कर रहा है। सवाल उठता है कि आखिर इससे फायदा क्या है और कैसे ये जरूरतमंद शिशुओं तक पहुंचता है।

जब किसी स्वस्थ मां के शरीर में अपने बच्चे के लिए पर्याप्त दूध बनता है और इसके साथ-साथ अतिरिक्त दूध भी उत्पन्न होता है, तो वह इस अतिरिक्त दूध को ह्यूमन मिल्क बैंक में दान कर सकती है। वहां इस दूध को टेस्ट और पाश्चुराइज करके समय से पहले जन्मे या बीमार बच्चों को दिया जाता है। ये वो बच्चे होते हैं जिनकी माताएं दूध नहीं पिला पा रही होतीं। तभी तो इसे लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना कहा जाता है।

लालगुड़ी ने वायलिन की एक नई शैली को दिया जन्म

विश्वभर में गूंजी भारतीय शास्त्रीय संगीत की धुन

मुंबई, (एजेंसियां)। भारत ने दुनिया को अनगिनत महान कलाकार दिए हैं, जिन्होंने अपने हुनर से न केवल देश को गौरवान्वित किया, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत को पूरी दुनिया के सामने पेश किया है। ऐसे ही एक संगीतकार थे लालगुड़ी जयरमन, जिनका नाम आज भी भारतीय शास्त्रीय संगीत की बुलंदियों पर गूंजता है। उनकी वायलिन से निकली धुनें आत्मा तक को छू जाती थीं।

उनकी कला का एक अद्भुत प्रमाण तब मिला, जब 1979 में दिल्ली के ऑल इंडिया रेडियो में उनकी एक प्रस्तुति को बगदाद की अंतरराष्ट्रीय संगीत परिषद ने दुनिया भर से भेजी गई 77 रिकॉर्डिंग्स में सबसे श्रेष्ठ माना। यह भारत के लिए गर्व का क्षण था और लालगुड़ी जयरमन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि।

लालगुड़ी जयरमन का जन्म 17 सितम्बर 1930 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम लालगुड़ी गोपाल अय्यर जयरमन था। वे दक्षिण भारत के महान संगीतकार त्यागराज के वंशज थे, इसलिए उनके खून में संगीत था। उनके पिता, वी. आर. गोपाल अय्यर, खुद एक प्रतिष्ठित कर्नाटक संगीतज्ञ थे, जिन्होंने अपने बेटे को बचपन से ही संगीत की शिक्षा दी। महज 12 साल की उम्र में लालगुड़ी जयरमन ने मंच पर पहली बार वायलिन बजाया और संगीत की दुनिया में कदम रखा।

उन्होंने वायलिन की एक नई शैली को जन्म दिया, जिसे आज 'लालगुड़ी बानी' के नाम से जाना जाता है। उनकी इस शैली में राग, ताल और लय का ऐसा संतुलन देखने को मिलता है जो बेहद सहज, भावनात्मक और गहराई के लिए होता है।

उनकी कला की प्रसिद्धि भारत तक ही सीमित नहीं रही। वे रूस, सिंगापुर, मलेशिया, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों में संगीत समारोहों में भाग ले चुके थे, लेकिन उनके करियर का सबसे अनोखा मोड़ तब आया, जब 1979 में उनकी एक रिकॉर्डिंग को बगदाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगीत परिषद ने पूरे विश्व की 77 प्रविष्टियों में सबसे उत्कृष्ट घोषित किया। यह रिकॉर्डिंग दिल्ली के आकाशवाणी केंद्र में की गई थी। यह एक ऐसा सम्मान था, जिसने दिखाया कि भारतीय शास्त्रीय संगीत की ताकत कितनी अद्भुत और व्यापक है।

इसके पहले भी वर्ष 1965 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग संगीत महोत्सव में जब उन्होंने वायलिन पर प्रस्तुति दी, तो विश्वप्रसिद्ध वायलिन वादक यहूदी मेनुहिन इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी इतालवी वायलिन लालगुड़ी को उपहार में दे दी।

कलाकार मणिलाल साबरीमला की बनाई चित्र की कलाधाम में लगाई गई प्रदर्शनी

मानव चेतना व मानसिक पीड़ा को माइक्रॉन ब्लैक पेन से कैन्सन पेपर पर किया गया चित्रित

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। नॉलेज पार्क स्थित कलाधाम में कलाकार मणिलाल साबरीमला के बनाए चित्रकला की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसका उद्घाटन मंगलवार को हुआ, जो 19 सितम्बर तक चलेगा। मंगलवार को प्रदर्शनी देखने के लिए दिल्ली एनसीआर के कई कलाकार कलाधाम ए-17 पहुंचे। मणिलाल साबरीमला का जन्म और पालन-पोषण प्रसिद्ध मंदिर साबरीमला के निकट हुआ। वर्तमान में वह त्रिवेंद्रम में स्थायी रूप से निवास करते हैं। उन्हें चित्रकला और पेंटिंग में दो वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त हैं। वह 2001 से पेशेवर कलाकार के रूप में अपनी रचनाएं कर रहे हैं।

अब तक उन्होंने विश्वभर में 30 सोलो प्रदर्शनी आयोजित की हैं और 50 ग्रुप प्रदर्शनी में भाग लिया है। उन्होंने 'आब्सलुट' नामक पुस्तक प्रकाशित की है, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत रूप से परिचित 120 कलाकारों का डेटा 26 देशों से संकलित किया है। 2015 से मणिलाल साबरीमला विभिन्न अवधारणाओं पर आधारित रचनाएं कर रहे हैं, जैसे मानव चेतना और मानसिक पीड़ा। इन अवधारणाओं को मुख्य रूप से माइक्रॉन ब्लैक पेन से कैन्सन पेपर पर चित्रित किया जाता है। काले और सफेद रंग का माध्यम बहुत प्रभावशाली माना जाता है और ये संकल्पना इसे प्रदर्शित करने के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। मंगलवार 16 सितम्बर को मणिलाल साबरीमला अपनी रचनाओं का प्रदर्शन रेणुका आर्ट गैलरी, ग्रेटर नोएडा में किया। कलाधाम में रहने वाले खुशीराम, इस प्रतिष्ठित गैलरी के निदेशक एवं स्वामी, ने इन्हें अपनी रचनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया था। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. राजीव लोचन (सेवानिवृत्त निदेशक, भारतीय मॉडर्न आर्ट गैलरी, नई दिल्ली) द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में कई प्रतिष्ठित कलाकार भी उपस्थित रहे, जिसमें राजकुमार पवार, डॉ. रानी, डॉ. माया आदि मौजूद रहे।

संपादक की कलम से

आपदाओं के बीच जवाबदेही का सवाल

अंतहीन विकास का घनघोर जुनून अभी भी हम पर सवार है कि हमारे कदम रुक नहीं पा रहे हैं। आर्थिक और तकनीकी रफ्तार यह मूल्यांकन करने से परहेज कर रहा है कि जिस दिशा में विकास के ध्वज लहराए जा रहे हैं, वे हमारे भविष्य एवं भावी संतति के लिए कितना उपयोगी हैं। वैज्ञानिक प्रयोग ने यह सिद्ध किया है कि हम जो जल पी रहे हैं, अनाज और अन्य खाद्यान्न सामग्री सेवन कर रहे हैं और जो आक्सीजन ले रहे हैं, उसकी बुनियादी क्षमता में तेजी से क्षरण हो रहा है, क्योंकि इसके मूल अस्तित्व के प्रति हमारी मानवीय और पारंपरिक संवेदनाएं एकपक्षीय तौर पर कठोर हो गई हैं। यही कारण है कि विगत कई माह से प्रकृति ने अपने स्वभाव में रूखेपन से यह चेतावनी जारी की है कि समय रहते हम चेत जाएं, अन्यथा उसके रौद्र में और अधिक भयावहता होगी।

हाल में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय क्षेत्रों में जलचक्र के बदलाव के कारण बादल फटने के बाद हुई हृदयविदारक स्थितियां स्तब्ध करने वाली हैं। कभी ऐसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां न्यूनतम हुआ करती थीं, लेकिन विगत वर्षों में तथाकथित असंतुलित विकास कार्यों की कड़ी में हुई वृद्धि के कारण बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, वनों में अग्नि प्रदाह और पर्यटन के लिए अविवेकपूर्ण निर्माण कार्यों ने स्थानीय पारिस्थितिकी को बुरी तरह अपनी चपेट में ले लिया है।

पहाड़ी क्षेत्र के नागरिकों की भी आधुनिक सुख-सुविधाएं और बुनियादी जरूरतें पूरी होनी चाहिए, लेकिन इन्हें मुहैया कराने के मूल्य पर इन क्षेत्रों की नाजुक पर्यावरणीय स्थितियों को भी ध्यान रखना आवश्यक है। विडंबना है कि पर्वतीय क्षेत्रों में वहां के नागरिकों की आवश्यकता से अधिक वहां जाने वाले पर्यटकों की सुविधा की प्राथमिकता हो गई है।

नदी और पर्वतीय क्षेत्र को काटकर वहां आलीशान होटल, पनबिजली संयंत्रों, औद्योगिक इकाई आदि के निर्माण ने भारी संकट ला दिया है। वर्ष 2013 में केदारनाथ की घटना में कई हजार यात्री काल के गाल में समा गए थे और धराली की तरह कई गांव बह गए थे। चिंतनीय स्थिति यह है कि पूर्व की आपदा से हम कुछ सीखते नहीं, बल्कि आत्मघाती उदासीनता की चादर ओढ़ कर भाग्य भरोसे हो जाते हैं।

आपदाएं चाहे मानव निर्मित हो या प्राकृतिक, देश की प्रगति को काफी पीछे ले जाती हैं। बाढ़, भूकम्प, अकाल, चक्रवात, भूस्खलन, हिमस्खलन और कोरोना जैसी महामारी जन मानस को असीमित नुकसान पहुंचाते हुए राज्य की आधारभूत संरचनाओं को भी नष्ट कर देती हैं।

प्रकृति ने मनुष्य के लिए मिट्टी, जल, हवा और वन संपदा मुहैया कराया है, लेकिन ये श्रृंखलाएं आज टूटती नजर आ रही हैं। जरूरत इस बात की है कि अभी भी हम प्रकृति के अस्तित्व को समझने और स्वीकारने की चेष्टा करें। अन्यथा जब प्रकृति नाराज होकर अपना रौद्र रूप धारण करेगी तो हम सबकी मुस्कान अंधेरे और विनाश में जाने को बाध्य होगी। प्रयास हो कि सुबह के भूले शाम को घर वापसी के तर्ज पर असामान्य होती जीवनशैली में सुधार करते हुए हम प्रकृति के विविध स्वरूपों को जीवन की संजीवनी बूटी की शक्ति के रूप में अपनाएं। स्वार्थ के सागर में भौतिक प्यास सदैव अधूरी ही रही है। सवाल बुनियादी है कि आखिर हम विनाश के दर्पण में विकास का प्रतिबिंब क्यों तलाशें!

अब आपदाओं से क्यों कांप रहे हैं

मानव सभ्यता का जन्म प्रकृति की गोद में उस काल में हुआ जब हमारे पूर्वज जंगल, नदी, पहाड़ आदि क्षेत्रों के समीप रहते थे। मूल रूप से वे प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर थे और कंद-मूल-फल सेवन करते हुए प्रकृति के नियमों के पालक भी थे। व्यक्ति अपने को प्रकृति का अनुयायी मानकर उसके हर मौसमी चक्र से अपने को आत्मसात करना अपनी निर्बाध नियति मानता था। प्राकृतिक रौद्र आज की अपेक्षा उस काल में काफी सीमित थे, क्योंकि लोग प्रकृति से संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता से भी जुड़े हुए थे। सभी मौसम अपने दायित्व संचालन में मानवीय आचरण के विभिन्न पहलुओं से तादात्म्य स्थापित किए हुए थे।

अतिवृष्टि और अनावृष्टि की घटनाएं कम हुआ करती थीं, क्योंकि प्रकृति अपने संतान को दुख या विपदा देने की स्थिति से हरसंभव परहेज करती थी। यों कहें कि उस कालखंड में मानव और प्रकृति एक दूसरे के पूरक और सहयोगी माने जाते थे। क्रमशः कृषि के धरती पर आगमन ने मानव प्राणी को एक अलग परिधि से युक्त करते हुए उसकी भूख को कृषि संसाधनों के विविध आयाम से सामंजस्य बनाने में अहम भूमिका निभाई। कृषि के विभिन्न प्रकल्पों के चयन से अनेक किस्म के अनाजों के उत्पादन की विधा रची गई, जिसका मूल आधार प्रकृति प्रदत वर्षा के जल को स्वीकार किया गया।

धीरे-धीरे मानवीय सभ्यता के विकास की गति जब तेज हुई तो हम सबकी आवश्यकताओं में भी स्वाभाविक रूप में वृद्धि के द्वार खुलने लगे। धरती ने व्यक्ति को यह संदेश दिया कि तुम मुझे जो अंश हस्तगत करोगे, उसे मैं कई गुना की मात्रा में वापस कर दूंगी। यह प्रक्रिया आज भी शाश्वत है। एक मुट्ठी बीज रूपी अनाज की वापसी कई किलोग्राम के रूप में हमें धरती से होती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को विकास की दौड़ में आगे बढ़ने की चुनौती और आवश्यकता थी। मानवीय और वित्तीय संसाधनों की सीमा में देश ने अनेक योजनाओं को शुरू करके विकास की पटकथा लिखना शुरू कर दिया, लेकिन चूक यह हुई कि प्रगति के लक्ष्य-बिंदु को शीघ्रता में स्पर्श करने की अदम्य प्यास ने हमें प्राकृतिक संसाधनों के असीमित भंडार में सेंध लगाने के दुस्साहस से भी लैस कर दिया। इस स्थिति में हम यह आकलन नहीं कर पाए कि विकास का अंतिम लक्ष्य क्या होगा, इसके योजना स्रोत कहीं हमारी प्राकृतिक संपदाओं में क्षरण तो नहीं ला रहे हैं!

छोकरः चुनाव सुधार के लिए संघर्षरत अंतरात्मा हुई मौन

चुनाव सुधार की दिशा में लगातार सक्रिय रहने वाले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के सह-संस्थापक और देश में लोकतांत्रिक पारदर्शिता के प्रखर पैरोकार प्रोफेसर जगदीप एस. छोकर का 12 सितंबर को 81 वर्ष की आयु मे निधन हो गया। ऐसे समय जब देश में सरकार की शह पर चुनाव सुधार के नाम पर चुनाव प्रक्रिया संदिग्ध बनाने के प्रयास जारी हैं, चुनाव आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था की बजाय एक सरकारी विभाग के रूप में काम कर रहा है और उसके द्वारा संविधान की अनदेखी करते हुए की जा रही मनमानी ने चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह संदिग्ध बना दिया है, तब प्रो. छोकर का निधन देश के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति है।

उल्लेखनीय है कि साल 1999 में छोकर और आईआईएम में उनके सहयोगी रहे त्रिलोचन शास्त्री ने मिलकर एडीआर की स्थापना की थी। दोनों ने चुनाव में उम्मीदवारों की व्यक्तिगत जानकारी को पारदर्शी बनाने की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उस याचिका में कहा गया था कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय कोर्ट में अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी देना अनिवार्य होना चाहिए।

साल 2000 में दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी उस याचिका पर फैसला देते हुए सांसदों और विधायकों को अपने आपराधिक मामलों का खुलासा करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट के इस आदेश को केंद्र की तत्कालीन एनडीए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हालांकि केंद्र सरकार ने इस फैसले को टालने के लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 में संशोधन किया और उम्मीदवारों को आपराधिक पृष्ठभूमि सार्वजनिक रूप से घोषित करने से छूट देने की कोशिश की, लेकिन 2003 में सुप्रीम कोर्ट ने इस संशोधन को भी खारिज कर दिया।

अप्रैल, 2024 में अंग्रेजी अखबार 'मिड डे' से बातचीत में प्रो. छोकर ने कहा था कि इस चुनाव सुधार को रोकने की सरकार की कोशिश ने उनमें आगे भी चुनाव सुधार की दिशा में काम करने का उत्साह भर दिया। तब से लेकर अपने जीवन के आखिरी समय तक छोकर ने कई मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चुनाव सुधार और पारदर्शिता के लिए लड़ाइयां लड़ीं और ज्यादातर में जीत भी हासिल की। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते वक्त अपनी संपत्ति की घोषणा करने की अनिवार्यता भी उनके ही प्रयासों का परिणाम रही।

अनिल जैन

> चुनावी बॉंड मामले की मुख्य याचिकाकर्ता संस्था एडीएआर के प्रमुख प्रो. छोकर से उसी दौरान किसी यूट्यूबर ने पूछा, ''क्या आपको इस बात का डर नहीं लगता कि ईडी आपके घर पर भी आ सकती है?'' उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया था- ''ईडी वाले आएंगे तो मैं उन्हें प्यार से चाय पिलाकर वापस भेजूंगा। मेरे घर ऐसा है ही क्या जो वे ले जाएंगे?''

इस सिलसिले में एक दिलचस्प वाकया उस समय का है जब सुप्रीम कोर्ट में चुनावी बॉंड को चुनौती देने वाली याचिकाओं की लगातार सुनवाई का दौर चल रहा था। केंद्र सरकार हरसंभव कोशिश कर रही थी कि उसकी गर्दन बच जाए और याचिकाएं खारिज हो जाएं। सरकार के दबाव में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का प्रबंधन भी इस बात की पुरजोर कोशिश कर रहा था कि बॉंड के जरिये राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों के नाम सार्वजनिक न करने पड़ें। इसके लिए वह तरह-तरह के बहाने कोर्ट के सामने पेश कर रहा था।

सरकार समर्थक मीडिया सत्ताधारी पार्टी का आईटी सेल की ओर से 'विदेशी साजिश' और 'टूल किट' जैसे चिर-परिचित जुमले उछाले जा रहे थे, ताकि राजनीतिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे लोगों की साख पर बट्टा लगाया जा सके। इन सबके बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी पूरी सक्रियता से अपने काम में भिड़े हुए थे। यानी रोजाना इधर-उधर छापे पड़ रहे थे।

चुनावी बॉंड मामले की मुख्य याचिकाकर्ता संस्था एडीएआर के प्रमुख प्रो. छोकर से उसी दौरान किसी यूट्यूबर ने पूछा, ''क्या आपको इस बात का डर नहीं लगता कि ईडी आपके घर पर भी आ सकती है?'' उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया था- ''ईडी वाले आएंगे तो मैं उन्हें प्यार से चाय पिलाकर वापस भेजूंगा। मेरे घर ऐसा है ही क्या जो वे ले जाएंगे?''

जब किसी व्यक्ति के पीछे ईमानदारी और नैतिक शक्ति का बल होता है, उसकी प्रतिक्रिया वैसी ही होती है, जैसी छोकर की थी। एडीआर ने पूरे सात साल तक लंबी लड़ाई लड़ी और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉंड्स को गैरकानूनी वसूली का उपकरण मानते हुए रद्द कर दिया। इतना ही नहीं, टालमटोल करने वाले सरकारी बैंक एसबीआई को चंदा देने वाली कंपनियों के नाम भी सार्वजनिक करने पड़े थे। जब कंपनियों के नाम सार्वजनिक हुए तो कई कागजी कंपनियों के नाम भी उजागर हुए जिनकी आमदनी कुछ नहीं थी लेकिन उन्होंने सत्ताधारी पार्टी को चंदे के रूप में करोड़ों रुपये दिए थे। यह स्पष्ट रूप से राजनीति में काले धन के निवेश का मामला था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अपने आप में अधूरा था क्योंकि उसने चुनावी बॉंड्स की योजना को तो असंवैधानिक करार दिया था लेकिन इस योजना के जरिये राजनीतिक दलों को बड़े पैमाने पर मिले बेनामी चंदे पर वह मौन रहा था। कायदे से इस योजना के तहत राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में मिला सारा पैसा भी जब्त होना चाहिए था। गौरतलब है कि इस योजना की सबसे बड़ी लाभार्थी केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी थी जिसे अरबों रुपयों का चंदा मिला था। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट का फैसला आधा-अधूरा होते हुए भी चुनाव सुधार के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण था।

दरअसल प्रो. जगदीप छोकर का शुमार हमारे समाज के उन महानायकों में था जिनके बारे में आम लोग या तो बिल्कुल नहीं जानते या फिर बहुत कम जानते हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में प्राध्यापक रहे छोकर बिना किसी शोर-शराबे के चुनाव सुधार और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए निरंतर काम करते रहे। उनकी संस्था इस समय बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की विवादास्पद प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाली मुख्य याचिकाकर्ता थी। प्रो. छोकर उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने सबसे पहले एसआईआर के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर लोगों के मताधिकार छिन जाने और चुनाव आयोग को एनआरसी लागू करने के औजार की तरह इस्तेमाल किए जाने पर गंभीर सवाल उठाए थे।

छोकर का जीवन बताता है कि बेईमानी के खिलाफ लड़ाई तभी सफल हो सकती है, जब लड़ने वाला निजी जीवन मे ईमानदार हो। प्रो. छोकर का जाना उस अंतरात्मा का मौन हो जाना है जो भारत के लोकतंत्र की पवित्रता और पारदर्शिता के लिए लगातार मुखर रही। यही वजह है कि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा जैसी हस्तियों ने भी उनके निधन पर उनके योगदान को शिद्दत से याद करते हुए उन्हें 'चुनाव सुधार के संघर्ष का अप्रतिम योद्धा' बताया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

दिल का लोकतंत्र जीवंत है नेपाल का

नेपाल की नवीनतम क्रांति कथा सही लाइन पर आगे बढ़ती लग रही है। लेख मंगल को लिखा जा रहा है और पिछले मंगलवार को ही असली हंगामा था। तब लगा रहा था कि आंदोलन का कोई माई बाप नहीं है और यह सोशल मीडिया पर बैन के ओली सरकार के फैसले के खिलाफ नौजवानों का स्वत:स्फूर्त विद्रोह है। और बैन से भी बड़ी गलती करते हुए सरकार ने जब बच्चों पर गोली चलवा दी तो देश का आक्रोश आसमान पर पहुंच गया। अब स्कूली वर्दी में बच्चों को शहीद होता देखकर किसे गुस्सा नहीं आएगा। खुद फौज ने सारा इंतजाम होने के बावजूद आगे गोलियां नहीं चलाईं और आंदोलनकारियों से पिटती भी रही। करीब पचास लोगों की जान और अरबों की संपत्ति का नुकसान कराने के बाद नेपाल तेजी से शांत हुआ है। लाख अनिश्चितता के बावजूद एकमत से काम चलाऊ सरकार बन गई है और थोड़े मतभेद के साथ तीन मंत्री भी आ गए हैं। नई सरकार की प्रमुख सुशीला कार्की का साफ कहना है कि वे सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं आई गईं। छह महीने के अंदर साफ-सुथरा चुनाव कराके वे वापस अपने रिटायर जीवन में लौट जाएंगी। वे सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश थी लेकिन उनके ईमानदार फैसलों से नेपाली सत्ता प्रतिष्ठानों को काफी तकलीफ थी। उनके खिलाफ महाभियोग लाया गया तो उन्होंने खुद से पद छोड़ दिया।

एक चर्चित राजनैतिक परिवार और दल से नाता रखने के बावजूद उनके मन में साफ था कि नेपाल में राजनेताओं, शासन के दूसरे हिस्सों और आर्थिक सत्ता पर हावी व्यवसायी वर्ग की तिकड़ी का आपसी मेल और ताकत ऐसी हो चुकी थी कि ईमानदारी से काम करना संभव नहीं है। अपने फैसलों का डंका बजाने के बावजूद सुशीला कार्की को तब सरेंडर करना पड़ा था। पर जब जेनरेशन जी के नाम से सचेत युवाओं को भी यही लगा और इसके बावजूद सरकार मनमानियां करती गई तो सोशल मीडिया पर प्रतिबंध एक चिंगारी बनाकर विद्रोह करा गया। बहुत भारी सूक्ष्मदर्शी यंत्र लेकर विदेशी हाथ तलाशने वाले लोग भी (इसमें हमारी मीडिया का एक वर्ग भी शामिल था) इस आंदोलन में कोई विदेशी हाथ या समर्थन नहीं ढूंढ पाए। इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में लगा अमेरिका भी कुछ खास कर नहीं पाया। और लोकतंत्र के आगमन के बाद के सोलह वर्षों में नेपाली राजनीति और जीवन में काफी प्रभावी भूमिका निभाने वाला चीन भी हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। यह सही है कि उसकी चमत्कारी राजदूत होऊ यांगशी अब नेपाल में नहीं हैं जो बड़े आराम से आपस में लड़े और टूट चुके कम्युनिष्ट नेताओं को बार बार जोड़कर सत्ता में लाने का काम करती थीं, लेकिन चीनी कूटनीति किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं रहती। संभवत: के पी शर्मा ओली ने अपनी मूर्खताओं से उसे भी नाराज कर दिया था।

जेन-जी का यह आंदोलन एक मायने में स्वत:स्फूर्त था तो दूसरे अर्थ में बहुत महत्वाकांक्षी भी। इसने सभी राजनैतिक दलों और नेताओं के साथ सत्ता की प्रतीक बनी सभी संस्थाओं को निशाना बनाया तो व्यावसायिक ठिकाने भी अछूते नहीं रहे। यह सही है कि जो लूट-पाट हुई वह उनका काम न था लेकिन हिल्टन होटल से लेकर अनेक बड़े व्यावसायिक ठिकानों को निशाना बनाया गया क्योंकि उन्हें भी नेपाल की बदहाली और शासन के कुकर्मों में भागीदार माना गया। और संसद भंग कराने के साथ ही आंदोलनकारियों ने संविधान की उस व्यवस्था को भी नहीं माना जो सुशीला कार्की के शासन प्रमुख बनने में बाधक बन रहा था। इसलिए देखना होगा कि भवनों की रंगाई-पुताई और मरम्मत जैसे कामों के बाद चुनाव और नियमित सरकार का गठन कैसे होता है और क्या नया संविधान भी लिखा जाएगा। पर इससे ज्यादा दिलचस्पी यह देखने में होगी कि साठ के दशक में राणाशाही के खिलाफ और फिर राजतन्त्र के खिलाफ बगावत करने वाले नेपाल का लोकतंत्र कब व्यवस्थित रूप लेता है और कब वहां का शासन अपने लोगों के जीवन में जरा भी खुशहाली ला पाता है।

सोलह साल से चल रहे लोकतंत्र में सभी रंग के नेताओं का, अधिकारियों का और उनके आगे-पीछे जुटे व्यवसायियों का भला तो किया लेकिन नेपाल मजदूरी के लिए बाहर जाने वालों और अपनी खूबसूरती से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करके कुछ कमाई करने के अलावा ज्यादा कुछ विकास न कर पाया। आज उनके यहां बेरोजगारी का प्रतिशत बहुत अधिक है और हर साल चार लाख नए लोग विदेशों में काम करने जाते हैं। यह भारतीय आईटी प्रोफेशनल वाला मामला भी नहीं है जो अच्छी कमाई करते हैं। यह सेना, चौकीदारी और मजदूरी वाला जमात है। और माना जाता है कि नेपाल के जीडीपी में इनके माध्यम से आने वाले धन का हिस्सा एक तिहाई हो गया है। पर्यटकों से होने वाली आमदनी के अलावा कुछ कमाई जंगल के उत्पादों से होती है। कारखाने और व्यवसाय का हिस्सा ही नहीं खेती का आकार-प्रकार भी सिकुड़ता गया है। और इस मामले में नेपाल की कथा अफगानिस्तान जैसी है जबकि क्रांति के बाद इसे बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ गिना जाने लगा है। इन देशों की समस्याएं (और हमारे यहां की भी) काफी कुछ मिलती-जुलती हैं लेकिन उनके स्तर का फरक है। बांग्लादेश और श्रीलंका को वापस आर्थिक विकास के रास्ते पर आने में वक्त नहीं लगेगा लेकिन नेपाल में संरचना भी नहीं है।

अरविन्द मोहन

> सोलह साल से चल रहे लोकतंत्र में सभी रंग के नेताओं का, अधिकारियों का और उनके आगे-पीछे जुटे व्यवसायियों का भला तो किया लेकिन नेपाल मजदूरी के लिए बाहर जाने वालों और अपनी खूबसूरती से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करके कुछ कमाई करने के अलावा ज्यादा कुछ विकास न कर पाया।

लेकिन उससे बड़ी मुश्किल जेनेरेशन जी के नाम से हुई इस क्रांति के बाद सरकार बनाने, चलाने और दुनिया की बड़ी शक्तियों के दखल के बीच खुद के लिए राह बनाने की है। चीन और अमेरिकी दखल किस स्तर का है यह हम भी देख रहे है। यह अच्छी बात है कि इस बार भारत को लेकर भी कोई शिकायत नहीं सुनी गई है-जरूर कुछ मीडिया चैनलों के लोगों को गुस्सा झेलना पड़ा। लेकिन चीन और अमेरिका जैसे देश नेपाल जैसे छोटे मुल्क को अपनी आजाद राह लेने देंगे यह मुश्किल कल्पना है। दूसरी दिक्कत पुरानी व्यवस्था के लोगों से होगी। उसमें भी अभी पिटा समूह चुप नहीं बैठेगा। पर हर पार्टी के अपेक्षाकृत ईमानदार और जमाधार वाले लोग भी मिल जुलकर चुनौती दे सकते हैं। आखिर उनको अपने अस्तित्व की चिंता भी होगी। दस हजार से ज्यादा अपराधी जेलों से भागकर समाज में आ गए हैं। और अगर अभी भी राजशाही के समर्थक सक्रिय हैं तो भ्रष्ट तंत्र खड़ा करने वाले मौजूदा जमात के लोग क्यों शांत हों जाएंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है लेकिन पहले यह करने वाले को खुद मजबूत होना होगा। पर धीरज राखें। सब कुछ संभव है। लोकतंत्र दो स्तर पर काम करता है संस्थाओं के स्तर पर और दिल के स्तर पर। नेपाल बताता रहा है कि वहां दिल का लोकतंत्र पवित्र और मजबूत है। संस्थाओं को भ्रष्ट किया गया था। उसकी धुलाई-पुंछाई हो सकती है और वह हो भी रहा है।

आपके पत्र

चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट के बीच संविधान की अहमियत!

आजकल वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा बुलंदी पर है। यह भारत के हर आंदोलन में दोहराया जा रहा है यहां तक कि पड़ोसी देश नेपाल में कुछ परिवर्तन के साथ प्रयोग हुआ है। आजकल चुनाव आयोग को नंबर वन जनतंत्र का शत्रु माना जा रहा है। जबसे प्रति पक्ष नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस में आंकड़ों और प्रमाणों के आधार पर वोट चोरी का कच्चा चिट्ठा खोला है तब से लगातार भारत के कोने कोने से वोट चोरी की धांधली के मामले लगातार सामने आते जा रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र में हुई चुनाव की पकड़ी गई भारी गड़बड़ी से सत्ता प्रमुख की चूलें हिली हुई हैं। यह सब बिना चुनाव आयोग के सहयोग के बिना असंभव है।

इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा सरकार ने अपनी जीत को स्थायित्व देने के लिए आयुक्त के त्रिसदस्यीय चुनाव प्रक्रिया से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर अपने बहुमत का दुरुपयोग किया है। इस समिति में पहले एक सदस्य भारत सरकार का, दूसरा सदस्य लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता और तीसरा सदस्य सीजेआई होता था। संशोधन के बाद अब दो सदस्य जब भाजपा सरकार से होंगे तो प्रतिरोध प्रतिपक्ष नेता करें भी तो दो की बात बहुमत से मानी ही जानी है। इसलिए इस पद पर सरकार की पसंद का चुनाव आयोग बनेगा जो निष्पक्ष कतई हो ही नहीं सकता है। एक स्वतंत्र इकाई को सरकार का गुलाम बना दिया गया। तिस पर चुनाव आयुक्त को गरुर ये कि सर्वोच्च न्यायालय उसके अधिकार क्षेत्र में दखल दे रहा है।

यह बात तब सामने आई जब सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर पर लगाई एक याचिका पर अपने निर्णय में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया होनी चाहिए। लेकिन जब चुनाव नजदीक हों तो यह जल्दबाजी में सही ढंग से क्रियान्वित नहीं हो सकती। इसलिए फिलहाल मतदान में आधार कार्ड को शामिल कर चुनाव कराएं जाएं। इस आदेश से बिहार में मतदाता प्रसन्न हैं पर खिन्न है चुनाव आयोग या यूं कहें भारत सरकार। क्योंकि इस एसआईआर प्रक्रिया में जो जल्दबाजी में तैयार हुई है लाखों मतदाता शामिल नहीं थे। कहा जाता है कि उनमें से बहुसंख्यक भाजपा विरोधी हैं और विशेष वर्ग से आते हैं। इस सरकार के खेल बिगाड़ने से ही चापलूस संघ के रंग में रंगा चुनाव आयोग परेशान है और सर्वोच्च अदालत को अधिकार क्षेत्र में दख़ल बता रहा है।

चुनाव आयोग और सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करता है। हालांकि सरकार ने उसको आयोग से हटा दिया है किंतु वह न्याय के हित में सरकार और चुनाव आयोग को संवैधानिक अधिकार के हनन का दोषी करार कर सकता है।

आज जिस तरह संविधान से इतर हटकर काम हो रहे हैं उस पर सीजेआई ने नेपाल जैसे हालात को ध्यान में रखकर साफ कहा है कि यदि यही चलता रहा तो देश को नेपाल जैसे हालात से बचाना मुश्किल होता। सीजेआई की इस टिप्पणी के बाद भी यदि सरकार और आयोग देश को गर्त में डालने प्रतिबद्ध है तो आगे जनता बेकाबू होकर स्वयं फैसला ले तो आश्चर्यजनक नहीं होगा। अभी भी वक्त है संविधान के तहत् वह निष्पक्ष काम को सरकार तरजीह दे। भारत शांति प्रिय देश है। उसे आग में झौंकने से बचाए।

-सुसंस्कृति परिहार

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता।

पावन प्रसंग

मानव धर्म की अवहेलना का ही यह प्रभाव है कि आज मानवता सिसक रही है

जीवन समस्या और संघर्ष का केन्द्र रहा है। डार्विन ने ठीक ही लिखा था कि जो संघर्ष में विजयी रहता है, वही जीवित रह पाता है। जितना संघर्ष और समस्याएँ इस भौतिकवादी युग को झेलनी पड़ रही हैं, उतनी शायद पहले कभी नहीं रही होंगी। आज राष्ट्र विकसित हो या विकासशील, समस्याएं तो सभी जगह है। जहां समस्याएं है, वहां संघर्ष भी अवश्यंभावी होगा। समस्याएं आवश्यकताओं के साथ जुड़ी हुई हैं। भारत की स्थिति तो हम जान ही रहे हैं कि यह विभिन्न धर्म-संस्कृतियों का केन्द्र है। यहां पर धर्म के साथ-साथ भाषा, जाति एवं सम्प्रदायों की समस्या है जोकि मानव ने स्वयं ही पैदा की हैं। इन समस्याओं के साथ-साथ प्राकृतिक समस्याओं के कष्ट भी इस देश की जनता झेल रही है। यहां यदि पूर्व का भाग बाढ़ से पीड़ित है तो वहीं पश्चिम सूखे की चपेट में है। हिमाचल प्रदेश, उत्तरकाशी, जम्मू कश्मीर आदि क्षेत्रो में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं मानवीय जीवन को संकट में डाल दिया। सैकड़ो लोग अकाल मृत्यु के आगोश में समा गई। होनी को कौन टाल सकता है।

आज भारत में लोकतंत्र है। 78 वर्ष पहले के भारत में और आज के भारत में जमीन-आसमान का अन्तर हो गया है। देश में सैकड़ों दल बन चुके हैं। सभी दल जनता के भले की बात कहते हैं। कथनी और करनी के भेद ने ही भारत को समस्याओं का केन्द्र बना दिया है। व्यक्तिगत स्वार्थ ने इस दलगत राजनीति को इतना बल दिया कि देश आज भयंकर दलदल में फंस चुका है। देश में कहीं भी शांति नहीं है। आज शान्ति के लिए विश्व के राजनेता आपस में मुलाकात करते हैं। गोष्ठियां होती हैं, मगर शान्ति का स्वर दिनोंदिन मंद पड़ता जा रहा है।

विचार कीजिए। जिस बात का श्रीगणेश ही संघर्ष से ही, वहां भला शांति कैसे हो सकती है? आज भाई, भाई को पड़ोसी, पड़ोसी को और राष्ट्र अन्य राष्ट्र को शंका की दृष्टि से देख रहे हैं। एक-दूसरे के प्रति विश्वास खो चुका है। साध्य हमारा शान्ति का है, मंगर साधन सभी अशान्ति के उत्पन्न किए जा रहे हैं। एक देश दूसरे देश की उन्नति में बाधाएं खड़ी कर रहा है। हत्या और आतंक के साये में कोई शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। एक-दूसरे पर बल प्रयोग आज सामान्य बात हो चुकी है। हिंसक गतिविधियों का बाजार गरम है। दूसरों का लहू बहाने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि लहू के छींटे उसके कपड़ों पर भी गिरते हैं। विश्व शान्ति के मूल मार्ग से भटका हुआ यह युग शान्ति के लक्ष्य तक कैसे पहुंच पायेगा ?

भारत में सम्राट् चन्द्रगुप्त के समय लोग अपने घरों पर ताले नहीं लगाते थे। आज तो घरों में देखो कमरे तीन हैं मगर ताले आठ मिल जायेंगे। कमरे के अन्दर ताला है, बाहर ताला है। ऐसा क्यों? परिवार में एक-दूसरे का विश्वास उठ गया है। पश्चिमी राष्ट्र में स्थिति कुछ अलग हो गई है। बेल्जियम में अखबार बेचने के लिए कोई बैठा नहीं रहता। अखबार वाला अखबार और डिब्बा पास-पास रखकर अपने काम पर चला जाता है। शाम को लौटते हुए डिब्बा और शेष बचे अखबार ले जाता है। उसके हिसाब में कोई त्रुटि नहीं होती। सहारनपुर के एक विद्यालय में यही प्रयोग किया गया। प्रयोग से पूर्व बालकों में नैतिक शिक्षा को आचरण में ढालने की बात कही गई। उसके पश्चात् विद्यालय के एक कक्ष में पुस्तकें, पैन, कापियाँ मूल्य सूची लगा दी गई। एक सप्ताह बाद जाँच की गई तो सब कुछ सही पाया गया।

बेटे को अपने बाप पर विश्वास नहीं है। नास्तिक को प्रभु के जाप पर विश्वास नहीं है। होता है मुझे आश्चर्य इस बात पर कि-आदमी को अपने आप पर विश्वास नहीं है।

विश्वास तो जगाना ही होगा। पहले अपने आप में विश्वास पैदा करें, अर्थात् यह आत्म-विश्वास जगायें कि हम जो चाहेंगे, उसे करके दिखा देंगे। अपना सोच सदैव सकारात्मक रखना है। नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार पैदा करने हैं। अच्छे कार्य के लिए संकल्प के साथ जुटने की जरूरत है। मनुष्य मन में अच्छे भाव जगायेगा तो उसे हर ओर प्रशंसा ही मिलेगी।

-कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर न्यू इण्डिया-2047 प्रदर्शनी शुरू

तुवन परिसर में विधायक ने किया शुभारंभ

ललितपुर। यू इण्डिया-2047 प्रदर्शनी का अवलोकन करते सदर विधायक।

ललितपुर। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर उनके व्यक्तित्व, कृतित्य व न्यू इण्डिया/2047 एवं प्रदेश सरकार सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित 15 दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का बुधवार को सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, जिलाध्यक्ष भाजपा हरीश चन्द्र रावत ने फीता काटकर शुभारंभ किया और अवलोकन कर प्रदर्शनी को उपयोगी बताया। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित 15 दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ तुवन मंदिर प्रांगण में आज से आमजन के लिये हो गया। इसमें प्रधानमंत्री के बचपन से लेकर अब तक के जीवन संघर्षों के बारे में चित्रों के माध्यम से विस्तारपूर्वक बताया गया है। सदर विधायक व जिलाध्यक्ष भाजपा ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल भारत की संस्कृति और आध्यात्मकता का केन्द्र ही नहीं है बल्कि राष्ट्र की राजनैतिक चेतना और आर्थिक आकांक्षाओं का सशक्त भाग भी है। 2047 तक उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे अग्रणी और विकसित राज्य बनाने हेतु विशेषज्ञों के परामर्श और व्यापक जनसहभागिता के साथ कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिसमें जनपदवासियों की भागीदारी का आह्वान किया गया। इसके लिए दिये गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सुझाव माँगे गये। इस अवसर पर राज्यमंत्री प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ, सांसद प्रतिनिधि दिनेश गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व आमजन की मौजूदगी रही।

दहेज के चक्कर में दो बहनों की प्रताड़ना का आरोप

ललितपुर। कसाब मण्डी मस्जिद के पास रहने वाली कौशर बानो पुत्री रहीश कुरैशी ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि उसका व उसकी छोटी बहन जीनत बानो का सागर निवासी रहीश कुरैशी के यहां उनके पुत्रों के साथ 5 नवम्बर 2011 में हुआ था। बताया कि शादी के कुछ दिनों बाद उसका पति शाहिद हुसैन व बहन का पति शाहरूख हुसैन, ससुर शहजाद हुसैनदेवर शाहरूख हुसैन, ननद कु.बुसरा व भोपाल के बेडागढ़ निवासी रजिया पुत्री शहजाद हुसैन पत्नी आरिफ खान दोनों से 1-1 लाख रुपये नकद व एक-एक प्लाट की माँग करने लगे और एकराय होकर उसे व उसकी बहन को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसकी हालत खराब होने पर उसे व उसकी बहन को 25 सितम्बर 2024 को घर से भगा दिया। आरोप है कि 14 सितम्बर 2025 को शाम करीब 4 बजे ससुरालीजन आये और घर आकर रुपये और प्लाट की मांग करने लगे। मना करने पर उक्त लोगों ने गालियां देते हुये मारपीट करने लगे। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ससुरालियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 352, 115 (2), 351 (3) व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

श्रीविश्वकर्मा झा समाज सेवा संस्थान का विश्वकर्मा पूजन महोत्सव सम्पन्न

ललितपुर। विश्वकर्मा जयंती मनाते अनुयायी।

ललितपुर। बुधवार को श्रीविश्वकर्मा झा समाज सेवा संस्थान द्वारा भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। शुभारंभ वैदिक रीति से मंत्रोच्चारण और भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।

समारोह में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को फूलमालाओं से सजाया गया और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर अपनी आस्था व्यक्त की। आयोजन स्थल पर विशेष साफसफाई और सजावट की गई थी। संस्थान अध्यक्ष रमेश कुमार झा सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार और इंजीनियर माना जाता है। उन्होंने स्वर्गलोक, इंद्रप्रस्थ, द्वारका नगरी और पुष्पक विमान जैसे अद्भुत निर्माण किए थे। संस्थान के सदस्यों ने समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचरन झा ने कहा कि समाज की एकता और सहयोग से ही तरक्की और विकास संभव है। पूजन महोत्सव के बाद प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया। बच्चों और युवाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। भक्ति गीत और नृत्य शानदार रहे। इस दौरान संरक्षक रज्जनलाल झा, दादा दयाकिशन झा, अरविन्द कुमार झा, कपूर सिंह नौहरकंला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचरन झा, महामंत्री शिवलाल झा, कोषाध्यक्ष रघुवीर, जिला संयोजक लक्ष्मन प्रसाद, हरीसिंह, लक्ष्मी नारायण, जगदीश झा, पुष्पा झा संपादक, रविकान्त, प्रवक्ताए ब्लॉक अध्यक्ष जखौरा मोनू झा, ब्लॉक अध्यक्ष तालबेहट रामपाल, ब्लॉक अध्यक्ष महरौनी शिवनारायण ब्लॉक अध्यक्ष मड़ावरा राजेश झा, बार ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश, संरक्षक मन्नू लाल, नगर उपाध्यक्ष महेन्द्र, प्रवक्ता जगदीश नारायण, प्रचार मंत्री भगवान दास आदि सैकड़ो सजातीय बंधु मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पाईप लाइन को सड़क खोदकर छोड़ दी

ललितपुर। अमृत योजना के तहत जल संस्थान विभाग द्वारा सड़क उखाड़कर पाइप लाइन तो डाली गयी, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं की गयी, जिससे लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्ला रैदासपुरा के लोगों ने जिलधिकारी को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में बताया कि अमृत योजना के तहत जल संस्थान द्वारा सड़क उखाड़कर पाइप लाइन डाली गयी और रोड आज भी उखड़ी पड़ी है। इससम्बन्ध में ठेकेदार से जब मौखिक रूप से कहा गया तो ठेकेदार ने बात को टाल-मटोल कर दिया। इसके अलावा अब नवदुर्गा महोत्सव शुरू होने वाला है, ऐसे में सड़क की मरम्मत न होने से भारी परेशानी खड़ी हो जायेगी। मोहल्लेवासियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुये जिला प्रशासन से सड़क ठीक कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय अजय कुमार, अर्जुन, मोन्टू, अनिकेत, प्रभात, नरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती

ललितपुर। पं.जानकी प्रसाद रिछारिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल बुधवार में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई, जिसमें सभी बालक बालिकाओं एवं स्काउट गाइड के बच्चों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजन किया। जिसमें उपस्थित जिला स्काउट संगठन कमिश्नर जुगल किशोर रिछारिया, प्रबंधक पं.चंद्रभूषण रिछारिया उपाध्यक्ष जिला प्राइवेट मैनेजमेंट स्कूल, रामकुमार, राम दुबे, भारत, सोनू सहरिया, वीरेंद्र अध्यापक एवं अध्यापिक उपस्थित रहे।

मंजीत करौसिया ने छोड़ी महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समिति

ललितपुर। महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समिति के सकल पंच बाल्मीकि समाज के अध्यक्ष मंजीत करौसिया ने बुधवार को त्याग पत्र दे दिया है। मंजीत करौसिया ने पंचों को त्याग पत्र सौंपते हुये बताया कि यह दायित्व वह अपनी पारिवारिक जिम्मेवारियों और निजी कारणों के चलते स्वेच्छा से छोड़ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने पूर्व में सौंपे गये इस दायित्व को लेकर पंचों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुये आभार जताया।

एकराय होकर पीटा

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम जिजयावन निवासी बब्लू पुत्र कूरे ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 16 सितम्बर को सुबह करीब 7 बजे वह घर पर था। तभी गांव के रामेश्वर पुत्र लटोरे, रोहित पुत्र रामेश्वर व हरीबाई पत्नी रामेश्वर एकराय होकर आये और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगोंने मारपीट करते हुये धारदार हथियार से प्रहार कर दिया, जिससे उसके कान व हाथ में गंभीर चोट आयी है। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

विद्यालय को निकली किशोरी लापता, गुमशुदगी दर्ज

ललितपुर। निकटवर्ती गांव में रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री कक्षा 11 की छात्रा है। बताया कि 15 सितम्बर को सुबह करीब 7.30 बजे उसकी पुत्री नगर पालिका बालिका इण्टर कॉलेज रावर उसके नन्दोई के साथ गयी थी, जहां उसने पुत्री को विद्यालय के गेट पर छोड़ दिया। जब वह अपनी पुत्री को लेने विद्यालय पहुंची तो वहां उसकी पुत्री नहीं मिली। विद्यालय में जानकारी करने पर भी नहीं मिली। रिश्तेदारी व अन्य जगह भी खोजबीन करने पर पुत्री का पता नहीं चला। पुलिस ने महिला की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 137 (2) के तहत सूचना दर्ज कर ली है।

जाखलौन पुलिस ने दो वारण्टी पकड़े

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन व एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में थाना जाखलौन पुलिस ने ग्राम मैरतीकलां निवासी भगवानदास पुत्र वीरन व गुडडी पत्नी वीरन को मु.अ.सं. 4270/2016 की धारा 452, 323, 504, 506 भादवि को हिरासत में लिया है। वारण्टियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह, उ.नि.संजय सिंह, हे.कां.शिवशंकर व म.कां.पूजा शामिल रहे।

न्यायिक व्यवस्था में सुधार हेतु अधिवक्ता एकजुट

डॉ.अम्बेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ की अगुवाई दर्जनों वकीलों ने सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

ललितपुर। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपते अधिवक्तागण।

ललितपुर। डॉ.अम्बेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ की जिला इकाई ने राष्ट्रपति को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी अमनदीप डुली को सौंपकर 12 सूत्रीय माँगपत्र पर विचारण कराने की माँग की, ताकि न्याय व्यवस्था को सुदृढ किया जा सके।

संघ की प्रमुख माँगों में विभिन्न न्यायालयों में पीठासीन अधिकारियों के रिक्त पदों को अविलम्ब भरे जाने की आवश्यकता बताई गयी। उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या राज्य विधानमंडल में विधायकों की संख्या के सापेक्ष तय की जाये तथा जिला न्यायालयों में भी न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाई जाये। प्रशासन को भ्रष्टाचार विहीन तथा जिम्मेदार बनाने के लिए कठोर कदम उठाए जायें तथा अभियान चलाकर भ्रष्ट कर्मचारियों को दण्डित किया जाए। सभी सरकारी विभागों के सभी स्तर के अधिवक्ता पैनल में एससी एसटी/ओबीसी/माइनोरिटी को जनसंख्या अनुपाता में प्रतिनिधित्व दिया जाये। उच्च एवं उच्चतम न्यायपालिका में न्यायमूर्तियों की नियुक्ति आरक्षण के अनुसार जनसंख्या अनुपात में की जाये। 65 वर्ष की आयु एवं 35 वर्ष की वकालत पूरी करने पर अधिवक्ताओं को पेंशन की व्यवस्था हो। 5 वर्ष की शुरुआती वकालत तथा 30 वर्ष की आयु तक नये अधिवक्ता साथियों को मासिक 5000 रुपये मानदेय लागू हो। न्यायालय परिसर मे टिन टप्पड़ के बजाय न्यायालय की गरिमा अनुरूप सभी अधिवकाओं के लिए चैम्बर की व्यवस्था हो। सभी अधिवक्ताओं को 5 लाख रूपये तक की चिकित्सा बीमा सुविधा मिले। अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाये। एससी एसटी एक्ट के कई धाराओं में किसी भी स्थान पर शब्द प्रस्थापित किया जाये। जिला न्यायालय के न्यायाधीशों के सन्दर्भ में लागू प्रत्येक तीन साल मे स्थानान्तरण नीति को उच्च न्याय/पालिका के न्यायमूर्तियों के सन्दर्भ में लागू किया जाये। ज्ञापन देते समय अधिवक्तागण त्रिलोकी स्वरूप पटैरिया, रामगोपाल अहिरवार, चालीराजा, दयाराम, रविकान्त श्रीवास, पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, जगनलाल अहिरवार, बहादुर अहिरवार, इमरान खान, विजय कुमार सिंह, निधि सिंह, जानकी प्रसाद बौद्ध, विवेक सक्सेना, सुखानंद निरंजन, मुस्तकीम, प्रभुदयाल सेन, राकेश चौरसिया, शशिकान्त सिंह, राजेश श्रीवास, मु.वसीम राजा, लोकेश कुमार, हेमंत चौबे, मनोज कुमार कुशवाहा, रामकुमार वैष्णव, दीपक सिंह राजपूत, जीवनधर लाल जैन, अरुण कुमार, रामकुमार, भगवत प्रसाद पाठक, सुरेन्द्र सिंह, पवन कुमार, कैलाश नारायण, जितेन्द्र कुमार, हरनाम सिंह कुशवाहा, प्रदीप राठौर, पहिलवान सिंह यादव, सौरभ सिंघई, मनसुख, जितेन्द्र सिंह, कंचन, अनूप नाँगल, राजेश कुमार तालबेहट, अमित कुमार, गोपी प्रसाद, धमेन्द्र कुमार आदि अनेक अधिवक्ताओं के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

एसपी ने देखा साइबर क्राइम थाने का हाल

ललितपुर। साइबर क्राइम थाने का निरीक्षण करते एसपी।

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने साइबर क्राइम थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। थाना कार्यालय, साइबर हेल्प डेस्क के रजिस्टरों को चेक कर व्यवस्थित रख-रखाव हेतु निर्देश दिये गये। सही रख-रखाव नियमित साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया। साइबर हेल्प डेस्क में तैनात पुलिस कर्मियों को प्रतिदिन साइबर से सम्बन्धित पोर्टल जैसे प्रतिबिम्ब, सुदर्शन पोर्टल आदि का क्रियान्वयन करने व साइबर के अपराधों में त्वरित कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। महिला सम्बन्धी अपराधों को रोकने के लिये सूचना पर त्वरित रूप से संज्ञान लेकर तत्काल विधिक कार्यवाही कर उनका निस्तारण करें तथा उपरोक्त प्रकरण की सूचना पर उच्चाधिकारियों को देने हेतु

ललितपुर पुलिस ने जीती त्रिदिवसीय मलखम्भ प्रतियोगिता

विजेताओं का हुआ पदक व शील्ड से सम्मान

ललितपुर। मलखम्भ विजेताओं के साथ अतिथि।

ललितपुर। रिजर्व पुलिस लाइन्स में 15 से 17 सितम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली तीन दिवसीय 13 वीं अंतर्जनपदीय मलखम्भ प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने किया। उन्होंने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पदक, शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि एसपी ने क्षेत्राधिकारी लाइन्स को ध्वज सौंपा। उन्होंने मुख्य अतिथि को बैच लगाकर सम्मानित किया। प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा बैन्ड पर राष्ट्रगीत की धुनों के साथ मुख्य अतिथि का अभिवादन किया गया। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी लेकर कोच व खिलाडियों का परिचय लिया। मलखम्भ प्रतियोगिता में कानपुर जोन कानपुर की जनपद झांसी, जालौन, औरैया, कन्नौज, कानपुर नगर, फतेहगढ व ललितपुर सहित कुल 8 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया, जिसमें जनपद इटावा की टीम कतिपय कारणों से प्रतियोगिता में सम्मिलित नही हो पायी। बाकी सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागी खिलाड़ियों ने मानव पिरामिड तथा अन्य कलाओं का अद्भुत क्षमता दिखाई। प्रतियोगिता के दौरान जिले की टीम द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए व सर्वाधिक 47.40 अंक पाकर लगातार तीसरी बार चल वैजन्ती शील्ड प्राप्त कर झांसी टीम ने 28.20 अंक प्राप्त द्वितीय स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में फायरमैन राकेश कुमार ललितपुर द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। रामऔतार सिंह ललितपुर द्वितीय स्थान तथा आरक्षी वी.पी. सिंह ललितपुर व आरक्षी विजय पाल ललितपुर द्वारा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। प्रथम स्थान प्राप्त कर चल वैजन्ती शील्ड प्राप्त करने वाली विजेता जनपद ललितपुर टीम में रामऔतार सिंह, हरिशचन्द्र यादव, आरक्षी विजय पाल, आरक्षी वी.पी. सिंह, आरक्षी लोहा सिंह, संजय कुमार, आरक्षी संगमसिंह यादव, आरक्षी सर्वेश सिंह सेंगर, रनवीर सिंह, फायर मैन राकेश कुमार, फायर मैन हरिहर सिंह, फायर मैन संदीप यादव शामिल रहे। निर्णायक मण्डल में सीओ लाइन सुनील कुमार, सीओ सिटी अजय कुमार, भारत सेवा मण्डल व्यायामशाला गुलझारी कुशवाहा, शैलेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र कुमार, पुष्पेन्द्र, कु.कशिश, उदघोषक कृष्ण कुमार प्रभारी परिवहन रहे। समापन अवसर पर एएसपी कालू सिंह, सीओ सदर व लाइन्स एवं प्रतिसार निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

छात्रों को बतायी राजघाट जल विद्युत संयंत्र की कार्य प्रणाली

जिला गंगा समिति ने कराया भ्रमण

ललितपुर। बच्चों को संयंत्रों की जानकारी देते अधिकारी।

ललितपुर। विश्वकर्मा जयंती पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत जिला गंगा समिति द्वारा एक विशेष शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इसके तहत स्थानीय विद्यालय के चुनिंदा छात्र-छात्राओं का एक दल राजघाट जल विद्युत संयंत्र ले जाया गया, जहां उन्होंने बिजली उत्पादन की प्रक्रिया की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्राप्त किया।

मुख्य अभियंता, राजघाट जल विद्युत गृह, रघुवेंद्र यादव ने छात्रों को पनबिजली संयंत्र के विभिन्न घटकों में बांध, जलाशय, टरबाइन, जनरेटर और नियंत्रण कक्ष के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पानी की गतिज ऊर्जा का उपयोग करके टरबाइनों को घुमाया जाता है और फिर यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। जिला गंगा समिति के परियोजना अधिकारी केतन दुबे ने बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को ऊर्जा उत्पादन, विशेष रूप से स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बारे में जागरूक करना और उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। राजघाट जल विद्युत संयंत्र जैसी महत्वपूर्ण परियोजना का भ्रमण उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित करेगा। भ्रमण में शामिल हुए बच्चे इस अनुभव से काफी उत्साहित और प्रभावित नजर आए। छात्रों ने कहा कि किताबों में हम सिर्फ पढ़ते थे कि पानी से बिजली बनती है, लेकिन आज हमने अपनी आँखों से देखा कि यह प्रक्रिया वास्तव में कैसे होती है। यह बहुत ही रोमांचक था। इस अवसर पर सहायक अभियंता योगेन्द्र यादव, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी मनीष गौड़, प्रबंधक परवेज इकबाल, अध्यापक संजय शर्मा, दीप्ति मिश्रा, गीतांजलि झा, प्रियंका यादव, शर्मील बानो, ताहिर आदि मौजूद रहे।

सेवा पर्व पर तालबेहट में किया वृक्षारोपण

ललितपुर। बुधवार को तालबेहट रेंज के अंतर्गत तिन्द्रा वन ब्लाक में सेवा पर्व (17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक) का शुभारंभ किया गया। जिसमें 200 पौधे शीशम, सागौन, कंजी, चिलबिल, आवलां, बांस, सिरस, अल्वीजिया अमारा, नीम, जंगल जलेबी आदि के रोपित किये गये। आजाद सिंह यादव ग्राम प्रधान-उदगुवां, प्रतिपाल सिंह ग्राम प्रधान-बम्हौरीसर, हीरालाल कुशवाहा ग्राम प्रधान-तेरई के साथ अन्य ग्रामीण व महिलाओं का सहयोग रहा। इस दौरान गौतम सिंह प्रभागीय निदेषक सामाजिक विनिकी, सतेन्द्र सिंह तोमर उप प्रभागीय वनाधिकारी महरौनी/ललितपुर, प्रभुदयाल यादव क्षेत्रीय वन अधिकारी तालबेहट, रमेष कुमार पनौरिया क्षेत्रीय वन अधिकारी माताटीला, पवन कुमार वन दरोगा, राकेष आनंन्द, वन दरोगा, ज्योति स्वामी, वन रक्षक, रंजना वन रक्षक, षफीक आदि उपस्थित रहे। अतिथियों एवं विभाग के अधिकारियों ने वन महोत्सव के दारौन ज्यादा से ज्यादा पौध लगाने तथा उनकी देखभाल एवं सुरक्षा करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर प्रभारी मंत्री ने रेलवे स्टेशन में की सफाई

चित्रकूट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर स्वच्छता ही सेवा के कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मनु कोरी), जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अध्यक्ष नगर पालिका नरेंद्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा ने चित्रकूट धाम कर्वी रेलवे स्टेशन पर सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मुख्य उद्देश्य है कि पूरे देश को स्वच्छ बनाया जा सके इस उद्देश्य के साथ पूरे देश प्रदेश में सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों अधिकारियों को शपथ दिलाया गया।

प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

चित्रकूट। प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर व्यक्तित्व एवं कृतित्व, न्यू इंडिया/2047 तथा प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं-परियोजनाओं व उपलब्धियां विषयक प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन पुरानी कोतवाली कर्वी में किया गया।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मोत्सव भिन्न-भिन्न कार्यक्रम कर मनाया गया

चिरगांव (झांसी)। भारतीय जनता पार्टी के जननेता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आज बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव पर मोदी जी का संबोधन सुना गया और स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजकांतेश वर्मा ब्लाक प्रमुख चिरगांव विकासखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव के चिकित्सा अधिकारी कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे मंडल अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा द्वारा नारी शक्तिकरण मेला प्रदर्शनी का फीता काटा गया।जिसमें उपस्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष हेमंत खंताल प्रहलाद राजपूत रामप्रकाश नामदेव अरविंद अहिरवार महामंत्री चेनू वर्मा रामजी गुप्ता अरुण देवलिया रविंद्र गुप्ता संतोष गुप्ता गोटे महाराज लल्ला कुशवाहा रिंकू अहिरवार वीर सिंह कुशवाहा सुमित प्रजापति अमित प्रजापति रिशु राजपूत जितेंद्र कुशवाहा (विजय कुशवाहा कार्यालय प्रभारी पार्षद प्रतिनिधि समाजसेवी) आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

किसी निर्दय ने छीन ली विकलांग के दो वक्त की रोटी, जला डाला आय के स्त्रोत का ठिकाना

दो पैसों के लिए तरस गया पीड़ित शासन प्रशासन से लगाई आर्थिक मदद की गुहार

मोंठ (झांसी)। जनपद झांसी के मोंठ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परगहना बम्बा पर किसी अज्ञात निर्दयी द्वारा गरीब विकलांग व्यक्ति के लकड़ी के टपरा में आग लगा दी गई जिससे पूरा टपरा जलकर राख हो गया।परगहना निवासी नरेश पुत्र भगवान दास उम्र करीब 35 वर्ष जो की शरीर से पूर्णत करीब 90 प्रतिशत विकलांग है वह अपने दो वक्त की रोजी-रोटी के लिए करीबन 7 वर्षों से झांसी कानपुर नेशनल हाईवे के परगना बम्बा के पास बच्चों की वस्तुएं एवं गुटका वीडी नमकीन बिस्कुट की दुकान एक लकड़ी के टपड़े में रखे हुए था जिसकी दुकान में किसी निर्दयी कठोर दिल के अज्ञात व्यक्ति ने रात्रि सुबह करीब 2 से 3 के बजे के आसपास लकड़ी के टपड़े में आग लगाकर उसकी दुकान को खाक कर दिया।जिससे पीड़ित का बुरा हाल है जब उसने अपनी दुकान को देखा तो वहां दुकान में रखा सामान सहित दुकान का नामनिशान ही नहीं दिखा वहां केवल राख व कीलें दिखाई दे रही। उसने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया और कार्यवाही करने की बात कही वही पीड़ित का रो-रो कर बुरा हाल है पीड़ित ने बताया कि उसका दुकान में करीबन 5 हजार से 6000 रुपए का सामान और 15 हजार के करीब का लकड़ी का टपरा था जो की पूरी तरह से बर्बाद हो गया।उसका कहना है कि हम पूरी तरह से बर्बाद हो गए हमारे आय का यही केवल स्रोत था जिसकी आय से हम दो वक्त की रोटी नसीब कर पा रहे थे जिस भी निर्दयी ने मुझे बर्बाद किया कानून उसे पर कठोर से कठोर कानून कार्यवाही करें और पीड़ित ने सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लगाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चरखारी में स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार पखवाड़ा का शुभारंभ

चरखारी संवाददाता राम लखन सोनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी में च्चस्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार पखवाड़ाज्ज का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख सीमा जयराम कुशवाहा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि च्च्यदि नारी शिक्षित और जागरूक होगी, तो वह समाज सेवा, राजनीति और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगी। साथ ही अपने बच्चों को उत्तम शिक्षा देकर समाज के विकास में योगदान देगी।ज्ज उन्होंने सभी महिलाओं से प्रधानमंत्री द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष अमित पटैरिया ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मिशन इंद्रधनुष के तहत अब तक 9 करोड़ 47 लाख बच्चों और 1 करोड़ 25 लाख महिलाओं का सफल टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मरीजों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं क्षय रोगियों को पोषण किट के साथ 1,000 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण हेतु दिए जा रहे हैं। महिलाओं को सरकारी सेवाओं में प्रसव एवं शिशु पालन के लिए दो वर्ष तक का अवकाश भी उपलब्ध है।

कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मरीजों को फल एवं बिस्कुट वितरित किए तथा स्वच्छता मिशन के तहत सफाई अभियान भी चलाया।

इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष इंजी. अमित कुमार पटैरिया, नीरज गुप्ता, महिला मंडल अध्यक्ष द्रोपदी सेन, निरुपम तिवारी, मनोज, डॉ. पी. के. राजपूत, डॉ. बिनय पटैल सहित एक सैकड़ा से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौरहरी में भी प्रथमिक स्वास्थ केंद्र पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मोदी जी का जन्मदिन मनाया जिसमें मरीजों को फल वितरण किए व सफाई भी की भाजपा के विनोद दीक्षित एवं रामनारायण त्रिपाठी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

गुरसरांय। भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन जयपाल सिंह राजू चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नेहिल सिंघई ने किया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओ पी राठौर,पूर्व पार्षद राकेश त्रिपाठी, सत्येंद्र त्रिपाठी, पी के राव,भगवती, ब्रजेश पाठक आदि उपस्थित रहे।

मोदी के 75वें जन्मदिन पर बुंदेलों ने अपने खून से लिखे 75 खत

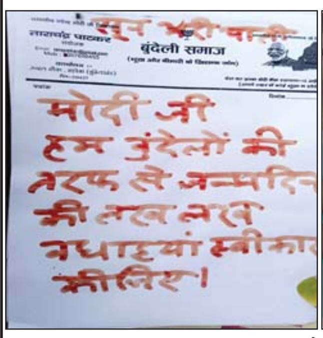

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर आज बुंदेलों ने आल्हा चौक के आंबेडकर पार्क में अपने खून से 75 पाती लिखकर बधाई संदेश भेजे और ईश्वर से उनकी दीर्घायु व लोकप्रियता के सर्वोच्च शिखर पर बने रहने के लिए प्रार्थना की। साथ ही बुंदेलों ने मोदी से बुंदेलखंड को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए विशेष पैकेज देकर आईआईटी, आईआईएम व एम्स जैसे संस्थान खोलने की मांग की।

बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने कहा कि वैसे तो आज हम प्रधानमंत्री को 48वीं बार अपने खून से खत लिख रहे हैं लेकिन उनके जन्मदिन पर 6वीं बार खूनभरी पाती लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री को खून से पाती लिखने का यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा जब तक वे बुंदेलखंड के किसानों के लिए विशेष पैकेज नहीं देते, औद्योगिक विकास के लिए टैक्स फ्री जोन घोषित नहीं करते व एम्स जैसे उच्च चिकित्सा संस्थान नहीं खोलते। जब तक बुंदेलखंड पिछड़ा रहेगा, भारत विकसित राष्ट्र कैसे बन पाएगा। आखिर बुंदेलखंड भारत का दिल है, हृदयस्थल है। महामंत्री डा. अजय बरसैंया ने कहा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मोदीजी आपको भी अटलजी का अनुसरण करते हुए बुंदेलखंड जैसे कुछ नये राज्य बना देना चाहिए।

प्रधानमंत्री को अपने खून से बधाई देने वालों में आज डा. देवेन्द्र पुरवार, अन्नू भाई, मनीष जैदका, सुधीर दुबे, गया प्रसाद, हरीओम निषाद, अमरचंद विश्वकर्मा, दिलीप जैन, प्रेम, महेन्द्र चौरसिया, जागेश्वर, मंटू व दीपू सोनी, माधव खरे, गोविंद विश्वकर्मा व रमाकांत नगायच समेत तमाम लोग शामिल रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोशिएसन से टहरौली तहसील अध्यक्ष बने राघवेन्द्र पटेल

टहरौली (झांसी)। तहसील टहरौली में आज सिद्धनाथ आश्रम पर बुधवार को समय 1 बजे ग्रामीण पत्रकार एसोशिएसन की बैठक बाबूसिंह यादव अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई जिसमें संगठन के विस्तार के लिए ग्रामीण पत्रकार एसोशिएसन के तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी राघवेन्द्र पटेल को सर्वसम्मति से बनाया गया मुख्य अतिथि मुकेश राजपूत को सभी ने पुष्प माला पहना कर भव्य स्वागत किया वहीं नव नियुक्त तहसील अध्यक्ष को सभी ने शुभकामनाएं दीं।

जिला अध्यक्ष मुकेश राजपूत ने कहा कि पत्रकारों का शोषण करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा।

वरिष्ठ पत्रकार बाबूसिंह यादव ने कहा कि पत्रकारों के हित के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा। पूर्व प्रधान आशाराम कुशवाहा बमनुआ ने कहा कि पत्रकार देश में पीड़ित वंचितों को न्याय दिलाने का काम करते हैं जब प्रशासन किसी की सुनवाई नहीं करता है तो अपनी कलम की आवाज से पत्रकार ही न्याय दिलाने का काम करते हैं।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष मुकेश राजपूत, तहसील संरक्षक बाबूसिंह यादव,कल्लू वर्मा गरौठा,प्रदीप शर्मा, धर्मेन्द्र कुमार भसनेह, पवन कुमार,नेहा श्रीवास,पुष्पेंद्र श्रीवास, नमन पाठक मऊरानीपुर, संजय कुशवाहा सुरेंद्र प्रजापति, अंकित गौतम,आयुष मिश्रा,राजकुमार मिश्रा, बिपिन शर्मा,रिंकू परिहार, शिबम बेरबई, मानवेन्द्र रमपुरा,अनिल चंदवारी विशाल कुशवाहा, हरेंद्र आर्य,प्रिंस बुंदेला सहित आदि मौजूद रहे।

चोरी की योजना बना रहे अर्न्तजनपदीय चोरो को पुलिस ने दबोचा

चित्रकूट। पुलिस ने चोरी की योजना बना रहे तीन बदमाशो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी तमंचा बोलेरो गाड़ी बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक भरतकूप मनोज कुमार ने बताया कि कमल गुप्ता पुत्र बाबू निवासी ग्राम शाखा गाजीपुर जनपद फतेहपुर, भूरा शाह पुत्र इदरिश निवासी ग्राम सिमौर गाजीपुर जनपद फतेहपुर, महताब अहमद पुत्र मो0 सईद निवासी ग्राम सिमौर गाजीपुर जनपद फतेहपुर को सेहरा मोड़ भरतकूप से दबोचा है। बीते 17 सितंबर को पुलिस टीम भरतकूप से ग्राम टिटिहरा की तरफ जा रहे थे कि मुखविर ने सूचना दी कि सेहरा मोड पर एक सदिग्ध गाड़ी बोलेरो खडी हैं, जिसमें कुछ सदिग्ध व्यक्ति बैठे है ग्राम छटन के पुरवा मे जानवरो को चोरी करने की योजना बना रहे है। गिरफ्तार करने वाली टीम मे थाना भरतकूप उनि बलवन्त यादव, आरक्षी प्रवीण पाण्डेय, शक्ति सिंह, रणवीर सिंह, संदीप कुमार आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

चित्रकूट हवाईअड्डे मे मनाया गया यात्री सेवा दिवस

चित्रकूट। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने देशभर के अपने सभी हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों पर 17 सितम्बर को यात्री सेवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चित्रकूट हवाई अड्डे पर यात्री सेवा दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ तथा दिवस की थीम पर आधारित विशेष गतिविधियाँ शामिल थीं। सामुदायिक सहभागिता की भावना के अनुरूप एक पेड़ माँ के नाम विषय पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। साथ ही, स्थानीय छात्रों के लिए हवाई अड्डे से परिचय और विमानन क्षेत्र में करियर के अवसरों पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इन पहलों ने हवाई अड्डे और स्थानीय समुदायों के बीच सहभागिता एवं संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया। यात्री सेवा दिवस ने विमानन सेवा के मूल में निहित यात्री सहूलियत, सुरक्षा और संतुष्टि के महत्व को रेखांकित किया।

विद्यालय के बच्चो को जल की उपयोगिता पर दी जानकारी

चित्रकूट। स्वप्निल यादव अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे और आशीष भारती अधिशासी अभियंता जल निगम के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन की सेक्टर पार्टनर यूनोप्स के जनपदीय सलाहकार विद्यासागर गुप्ता द्वारा विकास खण्ड रामनगर के ग्यारह उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को जल दूत के लिए दिया जा रहे प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का परिचय कराया। बीते दिवस ग्राम पंचायत देऊंधा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों के सहयोग से जलदूत बच्चों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

श्रेणी-6 बीहड भूमि का पट्टा डीएम ने किया निरस्त

चित्रकूट। कलेक्टर शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि मौजा डिलौरा तहसील कर्वी स्थित श्रेणी-6 बीहड़ की भूमि गाटा सं0- 819 के अन्तर्गत 8.865 हे0 का कृषि कार्य किया गया पट्टा अवैधानिक होने के कारण सीताशरण, भइयालाल, मुन्नीलाल, छोटेलाल, चुनकाई, श्यामलाल, भगवानदीन, बैजनाथ, मुन्नीलाल, चुनकौना, मइयादीन, भइया, भोण्डा, चुनबाद, छोटा, लालबिहारी, शोधन, राम आसरे, मोहनलाल, छोट्टन, शम्भू आदि का पट्टा निरस्तीकरण कर भूमि प्रबन्धक समिति डिलौरा बनाम भइयालाल आदि उक्त न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें पट्टेदारों/वर्तमान में दर्ज खातेदारों को न्यायहित में आपत्ति, साक्ष्य एवं सुनवाई अग्रिम तिथि 22 सितंबर नियत है।

एसपी ने विवेचको का अर्दली रूम किया चेक

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कोतवाली कर्वी में भरतकूप, बहिलपुरवा के विवेचकों का अर्दली रुम चेक किया। अर्दली रुम के विवेचकों से प्रत्येक विवेचना पर विस्तारपूर्वक वार्ता करते हुए विवेचना लंबित रखने का कारण पूछकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर अरविंद्र कुमार वर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक भरतकूप मनोज कुमार, प्रभारी निरीक्षक बहिलपुरवा आशुतोष तिवारी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष पर की जा रही अभद्र टिप्पणी पर दिया ज्ञापन

चित्रकूट। प्रदेश अध्यक्ष जनाब शौकत अली के ऊपर हो रहे शोसल मीडिया के माध्यम से अभद्र अमर्यादित टिप्पणी एवं जान से मारने की धमकी को लेकर एआईएमआईएम पार्टी जिलाध्यक्ष नवाब खॉन की अगुवाई में ज्ञापन एसपी को सौंपा। सौंपे ज्ञापन मे उपपुलिस अधीक्षक प्रज्ञान अजेय कुमार मिश्रा ने पूरा भरोसा दिलाया की साइबर सेल से जांच करवा कर सभी दोषियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर आदिल सिद्दीकी, जावेद खान, सब्बीर अली, सफात, अली, जहीर, जावेद अली, अली, मो.हसीब, कुलसीब अली, इसाक अली, लाल मोहम्मद आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया भगवान विश्वकर्मा का जन्मदिन

गुरसरांय। नगर के विनीत गार्डन में भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह राजू चौहान ने फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथि प्रतिपाल सिंह राम जी परिहार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक पन्नालाल झा मिस्त्री गुरु ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि करने के बाद मुख्य अतिथि चेयरमैन जयपाल सिंह चौहान ने कहा कि आज प्रथम वास्तुकार ,भारतीय सनातन परंपरा के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा का सृष्टि निर्माण हम लोगों को भाईचारे का संदेश देता है।सभी उनकी बनाई कृतियाँ है जो आज विभिन्न रूपों में दिखाई दे रहीं है। अति विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद राकेश त्रिपाठी, पार्षद गोविंद सिंह सिसोदिया, अज्जू मौर्या,राजेश गुड्डू चौहान ने भी विश्वकर्मा जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद राज मिस्त्रियों को फल एवं मिठाई का वितरण किया गया। अंत मे शिवम झा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अरुण तिवारी,राजेन्द्र झा,कमलेश झा,सुनील मिस्त्री,भविष्य झा,प्रदीप झा,ध्रुव चतुर्वेदी, दिनेश झा,नन्ना पाल,बबलू,भवानी,राजीव झा आदि उपस्थित रहे।

कृष्णजन्म की कथा में श्रोता जमकर नाचे

गुरसरांय। समीपस्थ ग्राम खरका में चल रही संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कृष्णजन्म की कथा में श्रोता भाव विभोर होकर जमकर नाचे।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की धुन से वातावरण भक्तिमय हो गया।

भागवत कृष्ण के जन्म की कथा सुनाते हुए राष्ट्रीय कथा वाचक पं ब्रजेश त्रिपाठी महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण पूर्ण ब्रम्ह का अवतार हैं।नंद एवं यशोदा पूर्व जन्म के द्रोड़ एवं धरा नाम के बसु थे,जिन्होंने तपस्या करके भगवान की बाल लीलाओं के सुख प्राप्ति करने का वरदान मांगा था।इसलिए वही निर्गुण ब्रम्ह सगुण साकार बनकर ब्रज में अवतरित हुआ और अपनी बाल लीलाओं से ब्रजवासियों को आनंदित किया।

संगीतमयी भागवत कथा में ऑर्गन पर प्रदीप नायक,तबला पर लक्ष्मीनारायण शर्मा,पैड पर राजीव दुवे ने संगत की।भागवत का मूल पाठ आचार्य बिपिन मिश्रा,ने किया।पूजा आचार्यत्व आचार्य हरेंद्र गौतम कर रहे हैं।

भागवत कथा की आरती परीक्षित बुंदेलखंड किसान पंचायत के अध्यक्ष पं गौरीशंकर विदुवा एवं श्रीमती सीता विदुवा ने की।कथा में गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारों का व्यास गद्दी से सम्मान किया गया।

इस मौके पर चकाडोरी धाम के महंत राकेश दास महाराज,ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पं महेश चंद्र विदुआ,चंद्र प्रकाश द्विवेदी, सितारवादक पं सरजू शरण पाठक, सीताशरण तिवारी,श्याम सिंह यादव,राम स्वरूप विदुवा,, सत्यप्रकाश तिवारी, अनिल तिवारी, मधुसूदन विदुवा,उमाशंकर विदुवा, नाल वादक देवेंद्र घोष, अरुण चतुर्वेदी, अंकित सेंगर जवाहर लाल त्रिपाठी, श्याम सुंदर उपाध्याय, विशाल द्विवेदी,विष्णुदत्त तिवारी, घनाराम मिश्रा, आत्माराम यादव बामौर,नाथूराम , करन पाल, जयराम टेलर, रिंकू गुप्ता, भान सिंह परमार जीतलाल यादव, ब्रजनारायण गुप्ता ,द्वारिका भगतआदि उपस्थित रहे।

इनका हुआ सम्मान

सरजू शरण पाठक,अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र सिंह बुंदेला,राजकुमार तिवारी, सलीम खान मंसूरी, महेंद्र रायकवार, अंकित सेंगर,निर्दोष राजपूत, श्याम सिंह यादव,राजेश घटियारी ,रिंकू यादव,मुन्ना यादव, पवन यादव, धर्मजीत यादव,नाल वादक देवेंद्र घोष आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए सांसद

■ स्वच्छता से लेकर स्वास्थ्य तक सांसद अनुराग शर्मा ने सेवा पखवाड़ा में दी सहभागिता

झांसी/ललितपुर जयूसं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों में सांसद अनुराग शर्मा ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया और कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। सांसद ने सर्वप्रथम नगर पंचायत तालबेहट में आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यकर्ताओं के साथ नगर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की। इसके उपरांत वे तालबेहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे, जहाँ आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषाहार वितरित किया तथा नवजात शिशुओं के अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम को संपन्न कराया। सांसद ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पूरे देश में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिनका उद्देश्य जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है। इसके बाद सांसद झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा किया गया था। उन्होंने स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इसके उपरांत सांसद जिला अस्पताल झांसी पहुँचे, जहाँ उन्होंने आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया और प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लॉन्च किए गए स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से2 अक्टूबर 2025, एवं 8वां राष्ट्रीय पोषण माह (17 सितम्बर से16 अक्टूबर 2025, के शुभारंभ कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया और अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात की।

सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि स्वस्थ नारी ,सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार है। यह अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य हेतु विशेष सेवाएँ प्रदान करेगा, जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व कल्याण को समर्पित हैं। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूँ कि वे अपने नज़दीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद जाकर इन सेवाओं का लाभ उठाएँ और स्वस्थ, सशक्त भविष्य की ओर कदम बढ़ाएँ।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ललितपुर हरिश्चंद्र रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष तालबेहट पुनीत परिहार, मंडल अध्यक्ष तालबेहट नीरज पटैरिया, भाजपा महानगर अध्यक्ष हेमंत परिहार, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अमित सिंह जादौन, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी, चिकित्सकगण और अधिकारी उपस्थित रहे।

गैंगस्टर में दो अभियुक्तों को तीन साल का कारावास

झांसी जयूसं। स्पेशल गैंगस्टर कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी मानते हुए कोतवाली थाना क्षेत्र के ओरछा गेट बाहर मोहल्ले में रहने वाले भूरा कुरैशी और नवाबाद थाना क्षेत्र के सुकुवां ढुकुवां कालोनी में रहने वाले प्रमोद रायकवार को तीन-तीन साल का कारावास और दस-दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि नवाबाद थाना पुलिस ने भूरा कुरैशी और कोतवाली पुलिस ने प्रमोद रायकवार के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी।

मारपीट में अभियुक्त पर दो हजार का अर्थदंड

एसीजेएम ने मारपीट करने के आरोप में दोषी मानते हुए बरुआसागर थाना क्षेत्र के ग्राम तिलैथा निवासी सुरेंद्र सिंह को जेल में बिताई गई अवधि व दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि तिलैथा में रहने वाले प्रभूदयाल ने सुरेंद्र सिंह के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था।

पेंशनर्स व राज्य कर्मचारियों को मिलेगा पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी चिकित्सा बीमा योजना का लाभ

■ कलैक्ट्रेट कोषागार में कैशलेश कार्ड बनाए जानेआयोजित शिविर में 1504 आयीं एप्लीकेशन, 1024 का हुआ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन

■ कार्ड से होगा नि:शुल्क इलाज, पेंशनर्स व राज्य कर्मचारियों को अब अपने स्वयं के पैसे नहीं लगाने होंगे

झाँसी जयूसं। मुख्य कोषाधिकारी अनिल मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के अधीन कार्यरत समस्त सरकारी सेवकों, रिटायर्ड कार्मिक, पेंशनर्स एवं उनके पात्र आश्रितों का कैशलैस कार्ड बनाने के लिए आयोजित विशेष शिविर जो कार्यालय परिसर स्थित कोषाधिकारी कार्यालय में दिनांक 11 सितंबर से 16 सितंबर तक के लिए संचालित था। उसमें कुल 1504 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 1024 लोगों का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर दिया गया है। मुख्य कोषाधिकारी ने बताया कि सभी पेंशनर्स व राज्य कर्मचारियों को अब इलाज के लिए आपने स्वयं के पैसे लगाकर प्रतिपूर्ति के लिए परेशान होने की अब भविष्य में ज़रूरत नहीं है बल्कि इस कार्ड से आयुष्मान गोल्डन कार्ड की तरह नि:शुल्क उपचार होगा।

उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी चिकित्सा बीमा योजना के अंतर्गत सभी विभागों के सरकारी सेवकों का कैशलैस कार्ड बनना अनिवार्य है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित इस शिविर में कोई भी पेंशनर्स या राज्य कर्मचारी अपने साथ अपना और अपने आश्रितों का आधार कार्ड, डीडीओ कोड या पेंशनर्स के लिए पीपीओ नंबर, बैंक खाता संख्या, कोड, पे बैंड/ग्रेड की सूचना व फोटो लाकर अपना कार्ड बनवा सकते हैं।

उन्होंने इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के मुख्य लाभ की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके आश्रितों को सरकारी व निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। यानी इलाज के समय पैसे हाथ में देने की जरूरत नहीं होगी, बिल सीधे योजना के तहत भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में इलाज पर लिमिट प्राइवेट अस्पतालों में प्रति वर्ष05 लाख तक का कैशलेस इलाज मुफ्त मिलेगा। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने पर कोई वित्तीय सीमा निर्धारित नहीं है यानी जितना खर्च होगा, योजना उसका भुगतान करेगा। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारी राज्य सरकार के पेंशनधारक उनके आश्रित सदस्य शामिल है।

जन्मदिवस पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

झांसी जयूसं। सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झाँसी में कैबिनेट मंत्री धर्मवीर प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में रक्तदान शिविर का शुभारम्भ हुआ विशिष्ट अतिथि के रूप झाँसी ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा सदर विधायक रवि शर्मा,पवन गौतम,योगी अर्पितदास महाराज, महानगर जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार, प्रदीप पटेल जिलाध्यक्ष झांसी रहे। इस शिविर मे प्रशांत द्विवेदी, अखिलेश गुप्ता,इंजी.अमित सिंह जादौन, डॉ. मयंक सिंह प्राचार्य मलबा,डॉक्टर एम एल आर्या , डॉ.पल्लवी अग्रवाल , रवि राजपूत चेतन ओझा मुकुल द्विवेदी,अभिषेक जैन, प्रणय अग्रवाल, अंकित भार्गव,राहुल तिवारी,अनुभव चतुर्वेदी,दिलीप पुरी,लकी राय,विशाल राय ,मोहित वाल्मीकि, प्रणय अग्रवाल,डॉक्टर विकास गोयल, डॉ.उर्वशी द्विवेदी,डॉ. विमल आर्य, डॉ.अपर्णा सिंह , डॉ. शोभा चतुर्वेदी, राहुल वर्मा,यशराज दांगी, अनुपम महाराज,वेद श्रीवास्तव सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विमानोत्सव एवं कलशाभिषेक का किया आयोजन

झांसी जयूसं। जैन समाज की वार्षिक कलश वंदना की श्रृंखला में आज अशोक संफ्रान सिटी स्थित श्री धनकुबेर नेमिनाथ जैन मंदिर जी का विमानोत्सव एवं कलशाभिषेक का आयोजन पूज्य मुनिश्री अविचल सागर के मंगल सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्यासागर जी के चित्र के समक्ष पूर्व वनाधिकारी वी के जैन व डा. निर्देश जैन ने दीप प्रज्वलन करके किया। मुनिश्री के पाद प्रक्षालन राकेश जैन बारूसागर ने किया। शास्त्र भेंट श्रीमती कमल जैन, एंजी के सी जैन, प्रभा जैन ने भावपूर्ण मंगलाचरण की प्रस्तुति डा रुचि जैन, आयुषी, सपना व मालनी जैन के साथ नन्ही बालिका भव्या ने की। आरंभ में श्री जी की शोभायात्रा निकाली गई जो कॉलोनी के विभिन्न ब्लॉक्स से होकर वापिस कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस अवसर पर भगवान के अभिषेक का सौभाग्य संजीव जैन, संजुल, सम्यक, ऋषभ जैन को, शांतिधारा डॉ. निर्देश जैन, पूर्व जीएसटी कमिश्नर राजेश जैन को मिला। धर्मध्वजाएं राकेश जैन बरुआसगर ने स्थापित की। भगवान के मस्तक पर छत्र प्रियांश जैन ने, देवेश जैन केडी, स्वस्ति जैन ऋषभ जैन आदि ने चंवर समर्पित किए। महाआरती का अवसर श्रीमती प्रभावती, राशि जैन परिवार को मिला। इस अवसर पर मनस्वी जैन, मयंक, अंशुल जैन, ललित जैन, विजय जैन, अजय जैन , बाहुबली जैन, देवेंद्र जैन, खुशाल जैन, कैलाश जैन , अशोक लाला, महेंद्र, शिरोमणि, सुनील जैनको आदि उपस्थित रहे। संचालन संजय जैन -कर्नल ने आभार डॉ. अर्पित व दुष्यंत जैन ने संयुक्त रूप से आभार व्यक्त किया।

कारागार आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर: अपर जिला जज

झांसी जयूसं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की ओर से जिला कारागार झांसी में बंदियों के पुनर्वास एवं मानसिक स्वास्थ्य सुधार हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राज ने नेचुरोपैथी की सहायता से बंदियों को परामर्श प्रदान किया। इसमें बंदियों को डिप्रेशन, एंग्जाइटी एवं अपने अतीत की कटु स्मृतियों को भूलकर जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी शरद कुमार चौधरी ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कारागार आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है, यदि बंदी इस अवसर का सही उपयोग करें तो वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं और समाज में नई पहचान के साथ पुनः स्थापित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑल इंडिया पैग़ाम-ए-इंसानियत एनजीओ की ओर से बंदियों को स्लीपर (जूते) वितरित किए गए, जिससे उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिला। कार्यक्रम में जिला कारागार झांसी के अधिकारीगण, तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ लिपिक आदिल जाफरी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण केवल विधिक सहायता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति ने मनाया श्रमिक दिवस

झांसी जयूसं। भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती के उपलक्ष्य मेंबुधवार को प्रदेश कार्यालय में वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित जनों ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गयी व उनके जीवन व कार्यों पर प्रकाश डाला । भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती पर श्रमिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष गोविन्द सोनी एड. ने की व आभार व्यक्त अवधेष सक्सेना ने किया।

न्यूज ब्रीफ

आरोपी को नहीं मिली जमानत

झांसी जयूसं। मुस्लिम युवक हिन्दू बनकर युवती को धोखा देकर शादी करने की बात कही और उसका शारीरिक शोषण करते हुए वीडियो फोटो बना ली। जब सच्चाई सामने आई तो युवती ने शादी से इनकार कर दिया तो युवक ने नशीला पदार्थ का सेवन कर आत्म हत्या कर सभी को फसा देने की धमकी दे डाली। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था। आज आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र सुनवाई के बाद प्रभारी सत्र न्यायधीश सुनील कुमार यादव की अदालत ने खारिज कर दिया है ।अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे डीजीसी मृदुलकांत श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि एक महिला ने ग्यारह अगस्त 2025 को मऊरानीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि एक युवक ने खुद का नाम समीर आर्य बताकर उसकी पुत्री से शोशल मीडिया पर दोस्ती की ओर उसे शादी की बात कह कर उसका शारीरिक शोषण कर वीडियो फोटो बनाई। कुछ दिनों बाद उसकी पुत्री को पता चला कि जिस युवक समीर आर्य से वह शादी कर रही वह समीर आर्य नहीं बल्कि उसका नाम अफराज उर्फ बाबू है, इस पर युवती ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। युवती का आरोप है कि 10 अगस्त 2025 को अफराज उर्फ बाबू उर्फ समीर आर्य उसके घर आया और उसके घर वालों को ओर उसे धमकाते हुए बोला कि अगर मुझसे निकाह नहीं करोगी तो मैं तुम्हारी शारीरिक संबंध बाली फोटो वीडियो वायरल कर दूंगा और नशीला पदार्थ खा कर आत्महत्या कर लूंगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया था। आज उसकी जमानत याचिका न्यायलय में प्रस्तुत की गई। जिसका डीजीसी ने विरोध करते हुए न्यायलय से अपील करते हुए कहा कि अपराध जघन्य है आरोपी जमानत देने योग्य नहीं है। न्यायालय ने आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

मेंहदी व रंगोली प्रतियोगिता का किया आयोजन

झांसी जयूसं। विवेक निरंजन मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वाधान में विवेक स्मृति महोत्सव के अंतर्गत मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन महारानी लक्ष्मीबाई बालिका इंटर कॉलेज झांसी में आयोजित की गई। रंगोली प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागी, मेहंदी प्रतियोगिता में 33 प्रतिभागियों ने प्रतिभा किया। जिसमें महारानी लक्ष्मी बालिका इंटर कॉलेज, महारानी लक्ष्मीबाई जूनियर हाई स्कूल, कुलदीप सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ,लोकमान्य तिलक कन्या इंटर कॉलेज ,आइसन फ्लावर पब्लिक स्कूल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज आदि विद्यालय के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। रंगोली में करवा चौथ, सातीया, घट, शंकर जी, शिवलिंग, मोर, कमल के फूल आदि रंगोली के रंगों से अपनी कला का प्रदर्शन किया। मेहंदी प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक डिजाइन बनाकर अपनी कला का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के निर्णायक अभिषेक मानव, उषा सचान डायरेक्टर हनी ब्यूटी अकैडमी, उषा सेन रही। इस अवसर पर अरविंद ओझा प्रधानाचार्य , ज्योति दुबे, शामली सिंह, अभिषेक मानव ,राजेश पटेल अभिषेक यादव, श्वेता समाधिया,साधना सहगल, खुशी कुशवाहा, तनिष्का राजपूत, हिमांशी समाधिया, रांची पटेरिया, आशी कुशवाहा आदि लोगों उपस्थित रहे। अंत में सभी के प्रति विवेक निरंजन मेमोरियल फाउंडेशन का सचिव रामकृष्ण निरंजन ने आभार व्यक्त किया।

366 चिकित्सा इकाइयों पर स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार स्वास्थ्य शिविरों का हुआ आयोजन

■ स्वस्थ झांसी की संकल्पना को पूर्ण करनेआयोजित हुए स्वास्थ्य शिविर

■ 13568 महिलाओं सहित 24200 ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया:सीएमओ

■ 280 टीबी मरीजों को बांटी गई पोषण पोटली

झांसी जयूसं। स्वस्थ एवं विकसित भारत के साथ स्वस्थ झांसी की संकल्पना को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से जनपद की सभी चिकित्सा इकाइयों पर च्स्वस्थ नारी-सशक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। सांसद झांसी ललितपुर संसदीय क्षेत्र अनुराग शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष हेमंत परिहार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी डॉ.सुधाकर पांडेय के साथ जिला महिला चिकित्सालय झांसी में स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी डॉ.सुधाकर पांडेय ने बताया कि जनपद की 366 चिकित्सा इकाइयों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश में आयोजित कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया तथा सभी चिकित्सा इकाइयों पर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। जनपद की चिकित्सा इकाइयों पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में 13568 महिलाओं सहित 24200 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाया। जिला महिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करते हुए मुख्य अतिथि सांसद ने बताया कि घर में यदि नारी का स्वास्थ्य सही रहेगा तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है। महिलाएं परिवार में सभी का ध्यान रखती हैं, परंतु अक्सर स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा कम ध्यान देती हैं। अतः हम सभी का कर्तव्य है कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। सभी महिलाएं व नारी शक्ति आज से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले इन स्वास्थ्य शिविरों का लाभ उठाएं तथा गैर संचारी रोगों, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मुख कैंसर, स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग, एनीमिया की जांच कराएं और रोग गंभीर होने से पूर्व ही समयानुसार उपचार करा कर स्वास्थ्य लाभ लें।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.यू.एन. सिंह ने बताया कि टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम मैं स्वास्थ्य शिविरों में 280 टीबी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत पोषण पोटली बांटी गई। सदर विधायक रवि शर्मा द्वारा नगरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर ताज कंपाउंड में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया गया। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से महिलाओं बच्चों व किशोरियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जांच व उपचार की सेवाएं प्रदान की गई। जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिवप्रताप शुक्ला, सीएमएस डॉ.राजनारायण जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ.पी. के कटियार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन .केजैन, डॉ. केएन .एम. त्रिपाठी, डीआईओ डॉ. रविशंकर, डीएसओ डॉ. रमाकांत स्वर्णकार, डिप्टी डीआईओ डॉ. अंशुमान तिवारी, डीपीओ विपिन मैत्रेय, डॉ .विमलेश, डॉ. संदीप, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ. विजयश्री शुक्ला, डीपीएम ऋषिराज सिंह, डॉ. अनुराधा राजपूत, अर्बन कोर्डिनेटर जियाउर्रहमान, रामबाबू कुमार, अमित राव, कौशल, रवि आदि उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी